D.G. II & PHARMACOLOGY

SHORT NOTES

BY :- HARIPAD YADAV & SAAWAN PATIDAR

Scanned with OKEN Scanner

INDEX

No.	Details	Page No.
1.	सर्पगन्धा, गुग्गुलु, किराततिक्त, निर्गुण्डी, कपीलु, बाकुची, अग्निमनथ	1
2.	तालीश, कण्टकारी, हरिद्रा, रसना, कालमेध, भंगा, त्वक	2
3.	अतिविषा, त्रिवृत्त, अहिफेन, पारिजात, मंजिष्ठा, गम्भारी, दारूहरिद्रा	3
4.	पुष्करमूल, वरूण, भारंगी, कुष्ठ, कुमारी, भृंगराज, ज्योतिष्मती	4
5.	अगरू, वचा, कम्पिल्लक, यवानी, वृहती, चित्रक, बाराही	5
6.	मरिच, शिगु, जीरा, हींग, कुमकुम, मदनफल, अर्क,	6
7.	जयपाल, जातिफल, विडंग, पलास, तुलसी, अपामार्ग, शल्लकी, नागकेसर	7
8.	विल्व, कर्कटश्रंगी, शिरीष, श्योनाक, दाडिम, रसोन, अश्वगंधा, गुडुची	8
9.	कपिकच्छु, पुनर्नवा, एरण्ड, पृश्निपर्णी, तिल, वत्सनाभ, शालपर्णी, भल्लातक	9
10.	शुण्ठी, पिप्पली, हरीतकी, विभीतक, अर्जुन, कांचनार, लोघ्र	10
11.	अशोक, जम्बू, पाषाण भेद, धातकी, बीजक, लवंग, कुटज	11
12.	पर्पट, मुस्तक, कपूर, चंदन, कटुका, वासा, जटामांसी,	12
13.	उशीर, निम्ब, खदिर, रोहीतक, सारिवा, गोक्षुर, शाल्मली	13
14.	विदारी, आराग्वध, पुन्नाग, आमलकी, मण्डुकपर्णी, शंखपुष्पी	14
15.	एला, दुर्वा, यष्ठी मधु, शतावरी, बला, भू आवला	15
16.	Drugs name and Medical Use	16-18
17.	Pharmacology	19
18.	Scope of Phamacology, Principles of General Pharmacology, Principle of Drug action Routes of Drug administration.	20-21
19.	Drug Dosage	22
20.	General knowledge for medical students, Prescription writing	23
21.	Brief Knowledge about Phamacology of following Drugs, Anesthetics (Local & General)	24-25
22.	Sedatives, Hypnotics	26
23.	Tranquilizers, Anti pyretic	27
24.	Analgesic (Painkiller)	28

Scanned with OKEN Scanner

25.	Antiepileptics, Anti hypertensive	29
26.	Antiplatelets	30
27.	Anticoagulants, Thrombolytics(used to lyse thrombi), Hypolipidamic	31
28.	Heomopoetic, Broncho dilators	32
29.	Aerosols, Inhalants, Expectorants, Demulcents	33
30.	Digestants, Carminatives, Anta Acids, Anti Ulcer	34
31.	Laxatives, Anti diarrhoels	35
32.	Anti emetic, Hepatoprotective, Diuretic	36
33.	Anti - diuretics, Litho triptic, Hormonal Therapy	37
34.	Anti Obesity, Anti diabetic	38
35.	Antithyroid, Oxytocic	39
36.	Galactagogues, Contraceptives, Styptics	40
37.	Anti microbial	41
38.	Antibiotics, Anti Malarial	42
39.	Treatment of uncomplicated Maleria, Amoebicidal	43
40.	Antifungal Drugs, Anthelmintics	44
41.	Antifilarial, Antiseptic, Vitamin	45
42.	Minerals, Water imbalance & IV Fluids	46
43.	Vaccines	47
44.	Antivenom	48
45.	Drugs for ophthalmic Practice, Anti cancer drugs, Immuno modulators	49
46.	Anti Rabies,Anti-viral,Anti-Histamine	50

Scanned with OKEN Scanner

उष्ण वीर्य कटु विपाक द्रव्य

नोट– रस– 1. मधुर 2. अम्ल 3. लवण 4. कटु 5. तिक्त 6. कषाय
विपाक– 1. मधुर 2. अम्ल 3. कटु
वीर्य– 1. शीत 2. उष्ण

क्र.	वृक्ष	फैमिली	बोटनीकल नाम	पर्याय	रस	गुण	दोष कर्म	प्रयोज्य अंग	योग	मात्रा	आमयिक पेयाग	उत्पत्ति स्थान
1	सर्पगन्धा (क्षुप)	Apocynaceae	Rauwolfia serpantina	धवल विटप, चन्द्रमार	तिक्त (532)	रूक्ष	कफ वात शामक (K.V.S.)	मूल	सर्पगन्धादि चूर्ण, बटी, योग	निद्रहित एवं उन्माद में 3–6 ग्रा.	अनिद्रा, उन्माद, उदरशूल (Hyper tensin, Insomnia)	हिमालय में 3000 फिट की ऊंचाई पर
2	गुग्गुलु (गुल्म)	Burserace	Commiphora mukul	देवधूप, कौशिक, कुम्भ, उलूखल	तिक्त कटु (532)	लघु, रूक्ष, तीक्ष्ण, सूक्ष्म	त्रिदोष हर (T.H.)	निर्यास	योगराज गुग्गुलु, चन्द्रप्रभावट ो	2–4 ग्रा.	गण्डमाला अपची, शोथ, समस्त वात रोग (Rheuma tised, laxative)	भारतवर्ष में गुजरात, राजस्थान
3	किराततिक त	Gentianaceae	Swerita Chirayita	चिरायता, चिरेता	तिक्त (532)	लघु, रूक्ष	कफ पित्ता शामक (K.P.S.)	पंचांग	सुदर्शन चूर्ण, किरातादि क्वाथ	क्वाथ 50–100 मि.ली. चूर्ण 1–3 ग्रा.	तृषा, दाह, अरोचक, अर्श, प्रतिश्याय	कश्मीर से भूटान तक 4000 फिट की ऊंचाइ पर
4	निर्गुण्डी (गुल्म)	Verbanaceae	Vitex nirgundo	सम्हालु, मेउड़ी	कटु, तिक्त (532)	लघु रूक्ष	कफ वात शामक (K.V.S.)	पत्र, मूल, बीज	निर्गण्डी कल्प तैल	बीज चूर्ण 3–6 ग्रा., मूल मवक 3–6 ग्रा., पत्र स्वरस 10–20 मिली.	शोथ, कृमि, कास, मूत्राघात, कृच्छात्रव	समस्त भारतवर्ष में
5	कपीलु (वृक्ष)	leguminoceae	strychusnuxvom ica	विषतिन्दुक, कातिन्दुक, कापीलुक	तिक्त कटु (532)	रूक्ष, लघु, तीक्ष्ण	कफ वात शामक (K.V.S.)	बीज मज्जा	अग्नितुण्डी लक्ष्मी विलास	60–250 मि.ग्रा.	वात विकार, ग्रहणी, अर्श, कृमि	भारतवर्ष में उत्तर प्रदेश में
6	बाकुची (क्षुप)	Leguminosae	Psoralia corylifolia	कृष्णफली, कुष्ठघ्नी	तिक्त, कटु (532)	लघु, रूक्ष, तीक्ष्ण	कफ वात शामक (K.V.S.)	बीज, बीज तैल	नहीं है	1–3 ग्रा.	कृमिघ्न, यकृदुत्तेजक	शीतप्रदेश में
7	अग्निमनथ (वृक्ष)	Verbenaceae	Premnamucrona ta	जय, श्रीपर्ण, अरणी	तिक्त, कटु, कषाय, मधुर (532)	लघु, रूक्ष, तीक्ष्ण	कफ वात शामक (K.V.S.)	पंचाग	अग्निमांथ क्वाथ, दशमूलारिष ट	चूर्ण 1–3 ग्र., स्वरस 10–20 मि.ली. क्वाथ 50–100 मि. ली.	अग्निमांद्य, तृषा, श्वास	राजस्थान गंगा के मैदान

Scanned with OKEN Scanner

8	तालीश (वृक्ष)	Pinaceae	Abies Webbiana	धीतपत्र, शुक्रोदर	तिक्त, कटु (532)	लघु, तीक्ष्ण	कफ वात शामक (K.V.S.)	पत्र	तालीशादि चूर्ण, वटी	चूर्ण 2–5 ग्रा.	शिरशूल, अरूचि, श्वास, कास, ज्वर (Fever)	समस्त भारत वर्ष में
9	कण्टकारी (क्षुप)	Solanacea	Solanum surattense	क्षुद्रा, छोटी, कटेरी, व्याघ्री	तिक्त, कटु (532)	लघु, रूक्ष, तीक्ष्ण	कफ वात शामक (K.V.S.)	पंचाग	व्याघ्री हरीतिकी, प्यघ्री तैल	क्वाथ 40–80 मि.ली.	अग्निमांद्य, तृषा, नेत्राभिष्यंद	भारतवर्ष में उ.प्र., म.प्र.
10	हरिद्रा	Zingerberaccae	Curcumalonga	निशा, गौरी, कृमिघ्ना, हल्दी	तिक्त, कटु (532)	रूक्ष, लघु	कपवात शामक (K.V.S.)	कंद	हरिद्राखण्ड	स्वरस 10–30 मि.ली.चूर्ण 1–3 ग्राम	गर्भ शोधन, स्तन्य शोधन, शुक्रशोधन, कुष्ठग्न	समस्त भारत वर्ष में
11	रसना (वृक्ष)	Compositae	Pluchealnceolata	युक्ता, सुगंधा, एलापर्णी	तिक्त (532)	गुरू	कपवात शामक (K.V.S.)	पत्र	रास्नादि क्वाथ, रास्नादि तेल, रास्नादि घृत	क्वाथ– 50 मि. ली.	शोतहर, शीतहर, कासहर, शूलहर, स्वांसहर	भारवर्ष में पंजाब, राजस्थान, गुजरात
12	कालमेघ (क्षुप)	Acanthaceae	Andrographis Paniculata	भूनिम्ब कल्पनाथ	तिक्त (532)	लघु, रूक्ष	कफ पित्तहर (K.P.H.)	पंचाग	कालमेधासव	चूर्ण 1–3 ग्रा., स्वरस 5–10 मि.ली. क्वाथ 20–40 मि.ली.	ज्वर (Fever, Weekness, release of gas) क्रमिघ्न, कुष्ठघ्न	समस्त भारतवर्ष में
13	भंगा (क्षुप)	Cannabis	Cannabis Sativa	मादनी, मधुलनी	तिक्त (532)	लघु तीक्ष्ण	वातकफहर (K.V.H.)	भंगा, गांजा, चरस	जातीफलाद चूर्ण, मदनानन्द मोदक	भाग 125–250 मि.ली. गांजा 60–125 मि. ली. ग्राम चरस 30 मि. ग्राम	दीपन, पाचन, रोचन, ग्राही	समस्त भारतवर्ष में
14	त्वक (वृक्ष)	Lauraceae	Cinamamum Zeylanicum	दालचीनी, उत्कट	कटु, तिक्त, मधुर (532)	लघु, रूक्ष, तीक्ष्ण	कफवात शामक (K.V.S.)	त्वक, तैल, पत्र	सितोपलाद चूर्ण	त्वक चूर्ण 1–3 ग्राम, पत्र चूर्ण 1–3 ग्राम, तैल 2–5 बूंद	आरूचि, अग्निमांध, उदरशूल, ग्रहणी, अर्श	भारतवर्ष के पर्वतीय क्षेत्रों में

Scanned with OKEN Scanner

15	अतिविषा (क्षुप)	Rannunculaceae	Aconitum hetrophylum	शुक्लकन्दा, भंगुरा, काश्मीर	तिक्त, कटु (532)	लघु, रूक्ष	त्रिदोषहर (T.H.)	मूल	अतिविषादि चूर्ण, बालचतुभद्रा	1–3 ग्रा.	ज्वारतिसार, अर्श, रक्तविकार, क्रमि	पश्चिममोत्तर हिमालय में कुमांऊ तक
16	त्रिवृत्त (बल्ली)	Convolvulaceae	Operculina tupentenum	त्रिपुरा, सरला, रेचनी	तिक्त, कटु (532)	लघु, रूक्ष, तीक्ष्ण	कफ पित्त संशोधक	मूल	त्रिवृतादि चूर्ण, क्वाथ, घृत	चूर्ण 1–3 ग्रा.	शोध स्थूलता, कामला, विबन्ध	भारत में 3000 फिट की ऊंचाई तक
17	अहिफेन (क्षुप)	Papaveraceae	Papaver Sominiferum	अफीम, आफूक	तिक्त, कषाय (532)	लघु, रूक्ष, सूक्ष्म	कफ वात शामक (K.V.S.)	फल निर्यास	अहिफेनासव, कर्पूर रस	30–125 मि.ग्रा.	वेदनास्थापन, निद्राजनन	उत्तरी समशीतोषण देश, यू.पी. बिहार
18	पारिजात (वृक्ष)	Oleaceae	Nyctanthes arbour-tris-tis	हरसिंगार, परजात	तिक्त (532)	लघु, रूक्ष	कफ वातहर पित्त संशोधक (K.V.S.)	पत्र, त्वक्	पारिजातादि क्वाथ	10–20 मि.ली., चूर्ण 1–3 ग्रा.	नेत्राभिष्यंद, श्वास, जीर्णाज्वर	समस्त भारत में 3000 फिट की ऊंचाई पर
19	मंजिष्ठा (लता)	Rubiaceae	Rubia Cardifolia	विकसा, योजनबल्ली	तिक्त, कषाय, मधुर (532)	गुरू, रूक्ष	कफ पित्त शामक (K.P.S.)	मूल	मंजिष्ठादि क्वाथ, चूर्ण	क्वाथ 50–100 मि.ली.	ज्वर, अग्निमांध, अतिसार, कृमि रोग	भारत के समस्त पार्वत्य प्रदेश
20	गम्भारी	Verbenaceae	Gmelina arborea	मधुरपर्णिका, पीतरोहणी, गॅभार	तिक्त, कषाय, मधुर (532)	गुरू	त्रिदोषशामक (T.S.)	मूल, फल	श्रीपर्ण्यादि क्वाथ, पंचमूलयादि क्वाथ	मूलत्वकृक्वाथ 50–100 मि.लि	शिरशूल, अग्निमांध, अर्श, क्षयरोग, मूत्रकृच्छ	हिमालय, पर्वतीय प्रदेश, नीलगिरी
21	दारूहरिद्रा (गुल्म)	Berberidoceae	Berberis cristata	दार्वी, पंचपचा	तिक्त, कषाय (532)	लघु, रूक्ष	कफ वात शामक (K.V.S.)	मूल, काण्ड, फल	दार्व्यादि तैल, क्वाथि, लेह	क्वाथ 5–10 मि.ली., फल 5–10 ग्रा. रसाजन 1–3 ग्रा.	रक्तार्श, शोथ,कास, ज्वर, फिरंग, कामला	हिमालय प्रदेश में 3 से 12 हजार फिट

Scanned with OKEN Scanner

22	पुष्करमूल	Compositae	Inula rocemosa	काश्मीर, कुष्ठ भेद	तिक्त कटु (532)	लघु, तीक्ष्ण	कफ वात शामक (K.V.S.)	मूल	पुष्कर मूलादि चूर्ण	1–3 ग्रा.	शोथ, अजीर्ण, रजोरोध	हिमालय में 4 से 15 हजार फिट
23	वरूण	Capparidaceae	Crataeva nurvala	बरूना, वरणे	तिक्त, कषाय (532)	लघु, रूक्ष	कफ वात शामक (K.V.S.)	त्वक		क्वाथ 50–100 मि.ली.	अश्मरी, गुल्म, कृमि, व्रणशोथ (U.T.I.)	समस्त भारत में
24	भारंगी	Verbenaceae	Clerodendrum Serratum	वामुनहाटी, अंगारवल्ली,	तिक्त, कटु (532)	लघु, रूक्ष	कफ वात शामक (K.V.S.)	मूल	भारंगी गुड, भारंगी क्वाथ	3–6 ग्राम	ज्वर, श्वास, यक्ष्मा, कांस, गुल्म रोग	नेपाल, भारत, बिहार, बंगाल 4000 फिट की ऊंचाई पर
25	कुष्ठ	Compositae	Saussurea lappa	कोष्ट, कॉस्टस	तिक्त, कटु, मधुर (532)	लघु, रूक्ष, तीक्ष्ण	कफ वात शामक (K.V.S.)	मूल	कुष्ठादि चूर्ण, क्वाथ, तैल	1/4 से 1 ग्राम	चर्म रोग, मूलकृच्छ, बाजीकरण, कास, आमवात	जम्मू कश्मीर, हिमालय, उत्तर प्रदेश
26	कुमारी (क्षुप)	Liliaceace	Aloevera	कुमारी गृहकन्या, घृतकुमारी, एलुआ	कटु (432)	गुरू, स्निग्ध, पिच्छल	कफपित्तहर (K.P.H.)	पत्र	कुमारीआसव, रज प्रवर्धिनी वटी, कुमारी पाक	पत्र स्वरस 10 मि.ली. चूर्ण 1–3 ग्राम	अर्श, व्रण, रोपण, दीपन, पाचन, यकृत, उत्तेजक	समस्त भारत में
27	भृंगराज (क्षुप)	Compositae	Eclipta alba	केशरनजन, केशराज	कटु, तिक्त (432)	लघु, रूक्ष	कपवात शामक (K.V.S.)	पंचांग, बीज	भृंगराज तैल, चूर्ण, घृत	स्वरस 5–10 मि.ली.	रसायन कर्म, चर्म रोग, कुष्ठ, ज्वर	समस्त भारत वर्ष में
28	ज्योतिष्मती	Celostraceae	Celostrus Panniculata	काकाण्डकी, पीततैला, वेगा परवीका	कटु, तिक्त (432)	तीक्ष्ण	कफवात शामक (K.V.S.)	बीज तैल	जयोतिष्मता तैल	बीज 1–2 ग्रा., तैल 5–15 बूंद	पक्षाघात, गृध्रसी, कटि शूल, दीपन	संपूर्ण भारत, पंजाब, कश्मीर, 3000 फिट की ऊंचाई तक

Scanned with OKEN Scanner

29	अगरू (वृक्ष)	Thymelaceae	Aquilariaagalloc ha	लोह, कृमिज	कटु तिक्त (432)	लघु रूक्ष, तीक्ष्ण	कफवात शामक (K.V.S.)	काण्डसार तैल	अगुर्वादि तैल	चूर्ण 1–3 ग्र. तैल 1–5 बूंद	व्रण, शोथ, श्वास, ज्वर, दौर्बल्य	पूर्वी हिमालय, आसाम, मणिपुर
30	वचा (क्षुप)	Araceae	Acorus Calamus	अग्रगन्धा, षड्गन्धा	कटु तिक्त (432)	लघु, तीक्ष्ण	कफवात शामक (K.V.S.)	मूल एवं भौमिक काण्ड	मेध्य रसायन	125–500 मि. ग्रा. वमनार्थ	कर्ण, शूल, आमवात, अन्माद, श्वास	तालाबों और झरनों के किनारे
31	कम्पिल्लक	Euphorbiacea e	Mallotus Philippinensis	कबीला, कपिला, कर्कश	कटु, (432)	लघु, रूक्ष, तीक्ष्ण	कफ वात शामक (K.V.S.)	फलरज	किमिघाति नी वटिका	1–3 ग्रा.	गर्भ निरोध, अश्मरी, रक्त विकार, गुल्म और कृमिरोग	समस्त भारत में 5000 फुट की ऊंचाई तक
32	यवानी	Umbelliferae	Trachyspermum ammi	अजवायन, जोवान	कटु, तिक्त (432)	लघु, रूक्ष, तीक्ष्ण	कफ वात शामक (K.V.S.)	फल	यवानिका दि क्वाथ, चूर्ण	चूर्ण 1–3 ग्राम	ज्वर, मूत्रघात, गर्भाशय शोधन, कास श्वास	समस्त भारत, म.प्र., उ.प्र., बिहार, राजस्थान, महाराष्ट्र, गुजरात
33	वृहती (क्षुप)	Solanacea	Solanium indicum	बडी कटेरी, क्षुद्रभण्टाका सिंही	कटु तिक्त (432)	लघु रूक्ष, तीक्ष्ण	कफ वात शामक (K.V.S.)	मूल, फल	बृहत्यादि क्वाथ, दशमूलारिष्ट	क्वाथ 40–80 मि.ली. चूर्ण 3–6 ग्रा.	अग्निमांध, ज्वर, मूत्रकृच्छ	समस्त भारत में
34	चित्रक (क्षुप)	Plumbaginace ae	Plumbago Zeylanica	अग्नि चीता	कटु (432)	लघु, रूक्ष, तीक्ष्ण	कफ वात शाम (K.V.S.)	मूल त्वक	चित्रकादि चूर्ण, चित्रक हरीतिकी	चूर्ण 1–2 ग्रा.	अगिनमाद्य, चर्मराग, शोथ, शूल, अर्श	बंगाल, यू.पी. दक्षिण भारत लंका में
35	बाराही	Dioscoreaceae	Dioscorea bulbifera	बाराहीकन्द, कुकरकंद	कटु, तिक्त, मधुर (432)	लघु स्निग्ध	त्रिदोषहर (T.H.)	कंद		चूर्ण 3–6 ग्रा.	दीपन, पाचन, कुष्ठ, रक्त विकार, गंडमाला, क्रिमिरोग, प्रमेह	हिमालय प्रदेश में 6000 फुट की ऊंचाई तक

Scanned with OKEN Scanner

36	मरिच (लता)	piperaccea	piper nigrum	काली मिर्च, वेल्लज, ऊषण	कटु (432)	लघु तीक्ष्ण	वात कफ शामक (K.V.S.)	फल	मरिचादि तैल, चूर्ण, घृत	0.5 से 1 ग्रा.	शीतज्वर, अग्निमांद्य, ध्वज भंग	मलेशिया,इण्ड ोनेशिया, श्री लंका, भारत
37	शिगु (वृक्ष)	Moringaceae	Moringa Oleifera	मोचक, सहिजन, शोभान्जन	कटु तिक्त, (432)	लघु तीक्ष्ण	वात शामक (V.S.)	मूलत्वक, बीज	शोभान्जनाद लेप, श्यामादि चूर्ण	बीज चूर्ण 1–3 ग्राम	ज्वर, चर्म रोग, कास, मूत्रकृच्छ, उदररोग, अरूचि, गुल्म, किमिरोग	समस्त भारत वर्ष में
38	जीरा (क्षुप)	Umbelliferae	Cuminum Cyminum	जीरक, अजाजी, जरण	कटु (432)	लघु, रूक्ष	कफ वात शामक (K.V.S.)	बीज	जीरकादि मोदक, चूर्ण, तैल, अरिष्ट	3–6 ग्रा.	अरूचि, वमन, कृमि, अश्मरी	संपूर्ण भारत में
39	हींग (क्षुप)	Umbellifereae	Ferula Northex	जतुक रामठ, हींग	कटु (432)	लघु, स्निग्ध, तीक्ष्ण	कफ वात शामक (K.V.S.)	निर्यास	हिंग्वादि वटी, हिंगवष्टक चूर्ण	.12–0.5 ग्रा.	वातिक, दीपन, गुल्म, विष्मज्वर	कश्मीर में पंजाब में
40	कुमकुम	Iridaceae	Crocus sativus	केसर (Saffron)	कटु, तिक्त (432)	स्निग्ध	कफ वात शामक (K.V.S.)	केशर	कुमकुमादि घृत, कुमकुमादि तैल	.5–1 ग्रा.	ज्वर, चर्मरोग, मूत्र कृच्छ, आरूचि, अतिसार, अग्निमांध	भारत में, जम्मू कश्मीर में पाया जाता है।
41	मदनफल (वृक्ष)	Rubiaceae	Rubia Spinosa	विष पुष्पक, पिण्डी, मैनफल	कटु (432)	लघु, तीक्ष्ण	कफ वात शामक (K.V.S.)	फल	वज्र क्षार, स्नुहादि तैल	मूल चूर्ण 0.5 से 1 ग्राम क्षीर 125–250 मि. ग्रा.	चर्मरोग, दंतकर्ण, शू, विष विकार	संपूर्ण भारत में 4000 फिट तक
42	अर्क (क्षुप)	Asclepiadacea e	Calotropis Procera	तलफल, आस्फोट, क्षीरपर्ण, मदार	कटु, तिक्त (432)	लघु, रूक्ष, तीक्ष्ण	कफ पित्तहर (K.P.S.)	मूल त्वक, क्षी, पुष्प, पत्र	नरायण चूर्ण	मूल त्वक चूर्ण .5–1 ग्रा. पुष्प 1–3 ग्रा. क्षीर 1/4–3/4 ग्रा.	व्रण शोथ, दंतशूल, केशरोग	संपूर्ण भारत में शुष्क, ऊसर भूमि

Scanned with OKEN Scanner

43	जयपाल	Euphorbiaceae	Croton tiglium	जयपाल, द्रवन्ती, जमालघोटा	कटु (432)	लघु, रूक्ष, तीक्ष्ण	कफपित्त हर (K.P.H.)	बीज, बाज, तैल	जवरमुरारि, जलोदरारि, इच्छाभेदी रस	बीज 25–50 मि.ग्रा. तैल 1/2–1 बूंद	कृमिघ्न, शोथ, जलोदर, विषहर	आसाम, बंगाल, दक्षिण भारत श्री लंका वर्मा
	जातिफल	Myristicaceae	Myristica Fragrans	जायफल	तिक्त कटु (532)	लघु, तीक्ष्ण	कफवात शामक (K.V.S.)	बीज	जातिफलादि चूर्ण व वटी	.5–1 ग्रा. तैल 1–3 ग्रा. बूंद	चर्मरोग, श्वास, कास, हिक्का, अतिसार	दक्षिण भारत में पाया जाता है
44	विडंग (गुल्म)	Myrsinacae	Embeliaribes	कृमिघ्न, वित्रतंडुल	कटु, कषाय (432)	लघु, रूक्ष, तीक्ष्ण	कफवात विकार में	फल	विडंगादि चूर्ण, विडंग तैल, विडंग लौह	चूर्ण 5–10 ग्रा.	कृमि	भारत में 5000 फिट की ऊंचाई पर
45	पलास (वृक्ष)	Leguminoseae	Buteamonosperma	किंशुक, व्रहमवृक्ष	कटु, तिक्त, कषाय (432)	लघु, रूक्ष	त्रिदोषहर (T.H.)	त्वक, पुष्प, बीज, नियग्रस	पलाश, क्षार, घृत,पलाश बीजादि चूर्ण	पुष्प चूर्ण 3–6 ग्रा. निर्यास –3 ग्रा. बीज चूर्ण 3–6 ग्रा.	कृमि, व्रण, अर्श, कास, त्वक, ग्रहणी	समस्त भारत में
46	तुलसी (क्षुप)	Labiatae	Ocimum Sanctum	सुरसा, सुलभा, ग्राम्य	कटु, तिक्त (432)	लघु, रूक्ष	कफ वात शामक (K.V.S.)	पत्र, पुष्प, बीज, मूल	तुलसी स्वरस	1–3 ग्रा. स्वरस 5–10 मि.ली.	ज्वर, कास, (Cough, cold, Bronchitis, expectorand)	भारत में सर्वत्र
47	अपामार्ग (क्षुप)	Amaranthaceae	Achyranthisaspera	शिखरी, मयूरक	कटु, तिक्त (432)	लघु, रूक्ष, तीक्ष्ण	कफ वात शामक (K.V.S.)	मूल, तण्डुल, पत्र, पंचाग	अपामार्ग, क्षार, तैल	स्वरस 10–20 मि.ली.	कास, श्वास, कुष्ठ, उदर रोग, पाण्डु	समस्त भारत में शुष्क प्रदेश में स्वयं
48	नागकेसर (वृक्ष)	Guttifereae	Meaua ferrea	भाग पुष्प चाम्पेय	कषाय, तिक्त (632)	लघु, रूक्ष	कफ पित्त शामक (K.V.S.)	पुंकेश्वर	पुष्यानुग चूर्ण, नागकेशरादि चूर्ण	चूर्ण 1–3 ग्रा.	व्रण, विशर्व, रक्तपित्त	नेपाल, पूर्वोत्तर हिमालय प्रदेश, दक्षिण भारत
49	शल्लकी (वृक्ष)	Burreracece	Boswellia Serrata	सुस्त्रवा, गजभक्ष्या	कषाय, तिक्त, मधुर (632)	लघु, रूक्ष	कफ, पित्त, शामक (K.V.S.)	त्वक, निर्वास	नहीं	निर्यास 50–100 मि. ली. 1–3 ग्रा.	शूल, कास, श्वास, मूत्रकृच्छ, ज्वर, गंडमाला	मध्य प्रदेश, राजस्थान, उड़ीसा, गुजरात

Scanned with OKEN Scanner

50	विल्व (वृक्ष)	Rutaceae	Aegle mormelos	श्रीफल, गन्धगर्भ कण्टकी, सदाफल	कषाय तिक्त (632)	लघु, रूक्ष	कफ वात शामक (K.V.S.)	मूल, त्वक, पत्र, फल	विल्वादि चूर्ण, विल्व पंचक क्वाथ	चूर्ण 3–6 ग्र. स्वरस 10–20 मि.ली. पानक 20–40 मि.ली.	नेत्र विकार, ग्रहणी, अतिसार, इक्षुमेह, Dysentry, Diarrhoea	समस्त भारत में
51	कर्कटश्रंगी	anacardiaceae	Pistacia Integerrima	टेढ़ी, अजश्रंगी	कषाय, तिक्त (632)	लघु, रूक्ष	कफ वात शामक (K.V.S.)	श्रंगाकार कोष	कर्कटादि चूर्ण	1–3 ग्रा.	कांस, श्वास, हिक्का, क्षहरोग	हिमालय में 8000 फीट की ऊंचाई पर
52	शिरीष	Leguminosae	Albizzia lebbeck	सिरिस, सिरोस	कषाय, तिक्त (632)	लघु, रूक्ष, तीक्ष्ण	त्रिदोषशाम क (T.H.)	त्वक, बीज, पत्र, पुष्प	महाशिरीष्ज्ञ आगर, शिरीषारिष्ठ	चूर्ण 3–6 ग्रा. ,स्वरस 10–20 ग्रा., क्वाथ 50–100 मि.ली.	गंडमाला, शोथ, विसर्व, श्वास, कास	समस्त भारत में 4000 फिट की ऊंचाई पर
53	श्योनाक	Bignoniaceae	Oroxylum indicum	सोनापाठा	मधुर, तिक्त, कषाय (132)	लघु, रूक्ष	कफ वात शामक (K.V.S.)	मूल त्वक	पंचमूलादि क्वाथ, श्योनाक पुटपाक	3–6 ग्रा. चूर्ण, स्वरस 10–20 ग्रा.	ज्वर, शोथ आमवत, पाचन	समस्त भारत में 4000 फिट की ऊंचाई पर
54	दाडिम (गुल्म)	Puniaceae	Punica Grantum	दंतबीज, लोहित पुष्प, अनार	मधुर, कषाथ, अम्ल (132)	लघु स्निग्ध	त्रिदोघ्न	फल, फल त्वक, मूल त्यक	दाडिमादि चूर्ण, दाडिमादि घृत, दाडिमादि तैल	फलस्वरस 20–50 मि.ली. त्वक कषाय 40–80 मि.ली.	मास्तष्क दौर्बल्य, मुख, कण्ठरोग, हृदयरोग, रक्तपित्त	समस्त भारत वर्ष में
55	रसोन	Liliaceae	Allium sativum	लशुन, रशुन	मधुर, कटु (132)	स्निग्ध, तीक्ष्ण	कफ वात शामक (K.V.S.)	कंद, तैल	रसोनवटी	कंदकल्क 3–6 ग्राम तैल 1–2 बूंद	कुष्ठ, ज्वर, मूत्रकृच्छ, तोतीझरा	समस्त भारत वर्ष में
					उष्ण वीर्य मधुर विपाक							
56	अश्वगंधा (क्षुप)	Solanceae	Withenia Somnifera	असगन्ध, वाराहकर्णी	तिक्त, कटु, मधुर (512)	लघु, स्निन्ध	कफ वात शामक (K.V.S.)	मूल	अश्वगंधा चूर्ण, अश्वगंधारि ष्ट	3–6 ग्रा. क्षार 1–2 ग्रा.	मूत्राघात, शोथ, उदर विकर	भारत में पश्चिम महाराष्ट्र, गुजरात, म.प्र.
57	गुडुची (लता)	Menispermac eae	tinospora cardifolia	मधुपर्णी, अगृता, गिलोय	तिक्त, कषाय (512)	गुरू, स्निग्ध	त्रिदोष शामक (T.S.)	काण्ड	गुदुच्यादि चूर्ण, अमृतारिष्ट	क्वाथ 50–100 मि.ली. चूर्ण 3–6 ग्रा.	विषमज्वर, कामला, स्तन्य	भारत में 1000 फिट की ऊंचाई पर

Scanned with OKEN Scanner

58	कपिकच्छु (लता)	Leguminoseae	Mucuna Prurita	आत्मगुप्ता, मकटी	मधुर तिक्त (112)	गुरू, स्नग्ध	वात शामक (B.S.)	बीज, मूल, रोग	वानरी गुटिका, भाषबलादि पाचन	चूर्ण 3–6 ग्रा.	योनिभंश, मूत्रकृच्छ, शुक्रदौर्बल्य	पश्चिमी हिमालय
59	पुनर्नवा (क्षुप)	Nyctogimaceae	Boerhaviadiffusa	शोथघ्नी	मधुर, तिक्त, कषाय (112)	लघु, रूक्ष	त्रिदोषहर (T.H.)	पंचांग, मूल, बीज	पुर्नवासवा, पुनर्नवाष्टक	स्वरस 5–10 मि.ली.	पाण्डु, शोध, मूत्रकृच्छ, शुक्रदौर्बल्य	समस्त भारत में
60	एरण्ड (गुल्म)	Euphorbiacea	Rieinus Communis	वर्धमान, पंचागुल	मधुर, कषाय (112)	स्निग्ध, तीक्ष्ण, सूक्ष्म	कफवात शामक (K.V.S.)	मूल, पत्र, बीज	एरण्डपाक, एरण्डसप्तक	मूल कल्क 10–20 ग्रा.	कृमिघ्न, कुष्ठान, शोथहर	भारत में 7000 फिट की ऊंचाई पर
61	पृश्निपर्णी	Leguminosae	Uraria Picta	चित्रपर्णी, पिठवन	मधुर, तिक्त (112)	लघु, स्निग्ध	त्रिदोषशामक (T.S.)	मूल	दशमूलारिष्ठ	50–100 मि. ली. क्वाथ	मूत्रकृच्छ, ज्वर, श्वास, रक्त, अतिसार, ग्रहणी	समस्त भारत में 6000 फुट की ऊंचाई पर
62	तिल	Pedaliaceae	Sesamum Indicum	तर, तिल	मधुर, कषाय, तिक्त (112)	गुरू, स्निग्ध	त्रिदोषशामक (T.S.)	बीज, तैल	तिलादिलेप तिलादि गुडिका	चूर्ण 3–6 ग्रा., तैल 10–20 मि.ली.	मस्तिष्क दौर्बल्य, स्तम्भन, हिक्का, श्वास	समस्त भारत में
63	वत्सनाभ (क्षुप)	Rannunculaceae	Aconitusferox	विष, अमृत	मधुर (112)	रूक्ष, तीक्ष्ण, लघु	त्रिदोष शामक (T.S.)	मूल	मृत्युंज रस, संजीवनी वटी	बीज 2–6 दाने, तैल 4–16 मि.	ज्वर, शोध, आमवात, श्वास	सिक्किम से गढ़वाल तक
64	शालपर्णी (क्षुप)	Leguminosae	Desmodium Gamgeticum	विदारी गधा, अंशुमती	मधुर, तिक्त (112)	गुरू, स्निग्ध	त्रिदोष शामक (T.S.)	पंचांग	शालपर्णादि क्वाथ	क्वाथ 50–100 मि.ली.	स्तन्य, मूत्रकृच्छ, प्रमेह, अर्श, अतिसार, विषमज्वर	भारत में 5000 फिट की ऊंचाई
65	भल्लातक (वृक्ष)	Anacardiaceae	Semicarpus anacardium	भिलावा, अग्निमुख, अग्निकन्द	कटु, तिक्त, कषाय (412)	लघु, तीक्ष्ण, स्निग्ध	कफ वात शामक (K.V.S.)	फल	अमृत भल्लातक तैल	कल्क 3–6 ग्रा. तैल 10–20 बूंद	ज्वर, शोध, आमवात, श्वास, कांस	भारत के उष्ण प्रदेश में

Scanned with OKEN Scanner

66	शुण्ठी (क्षुप)	Zingiberaceae	Zingiber officinualc	नागर, महौषध, सोंठ, आर्द्रक	कटु (412)	लघु, स्निग्ध	कफ वात शामक (K.V.S.)	कन्द	आर्द्रक खण्ड, शुणी सुरा	आर्द्रक स्वरस 5–10 मिली. शुण्ठी चूर्ण 1–2 ग्रा.	आमवात सन्धिशोथ, अजीर्ण, कास नेत्र विकार	भारत के उष्ण प्रदेश में
67	पिप्पली (लता)	Piperaceae	Piper longum	वैदेही, मागधी, वपला	कटु (412)	लघु, स्निग्ध, तीक्ष्ण	कफ वात शामक (K.V.S.)	फल, मूल	पिप्प्लयासव, पिप्ली खण्ड	चूर्ण .5–1 ग्रा.	कुष्ठघ्न,विषमज्वर	भारत के उष्ण प्रदेश में
68	हरीतकी (वृक्ष)	Combretaceae	Terminalia chebula	अभया, पथ्या,	कषाय प्रधन, पंचरस (612)	लघु– रूक्ष	त्रिदोष हर (T.H.)	फल	अभयारिष्ट, हरीतिकी चूर्ण	चूर्ण 3–6 ग्रा.	गुल्म, पाण्डु, शोथ, कामला, ज्वर	प. बंगाल से आसाम तक 5000 फिट की ऊंचाई पर
69	विभीतक (वृक्ष)	Combretaceae	Terminalia billirica	कर्षफल, अक्ष	कषाय (612)	रूक्ष, लघु	त्रिदोष हर (T.H.)	फल	त्रिफला चूर्ण	चूर्ण 3–6 ग्रा.	श्वास, कास, प्रदर, नेत्र, गला	सर्वत्र भारत में
शीत वीर्य कटु विपाक												
70	अर्जुन (वृक्ष)	Combretaccea e	Terminalia arjuna	कुकुभ, धवल, वीरवृक्ष	कषाय (631)	लघु, रूक्ष	कफ पित्त शामक (K.P.S.)	त्वक	अर्जुनारिष्ट कुकुंभादि चूर्ण	क्षीर पाक 5–10 ग्रा. स्वरस 10–20 मि.ली. क्वाथ 50–100 मि. ली.	स्तम्भन, कण्डु, हृदयरोग	बंगाल, बिहार, म.प्र.
71	कांचनार (वृक्ष)	Leguminosae	Bauhinia Variegate	गण्डरि, युगपत्रक, स्वल्पकेसरी	काषाय (631)	लघु, स्निग्ध	कफ पित्त शामक (K.P.S.)	त्वक, पुष्प	कांचनार गुटिका, गुग्गुल	त्वक चूर्ण 3–6 ग्रा. क्वाथ 40–80 मि.ली. पुष्पस्वरस, 10–20 मि.ली.	कुश्ठ, प्रमेह, गंडमाला, अतिसार, शोथहर	भारत में 4000 फिट की ऊंचाई पर
72	लोघ्र (वृक्ष)	Symplocaeac	Symplocos racemosa	स्थूल वस्कल, लोधर	कषाय (631)	लघु, रूक्ष	कफ पित्त शामक (K.P.S.)	त्वक	लोघासव, लोधादि क्वाथ	चूर्ण 1–3 ग्रा., क्वाथ 5–10 तोला	गर्भाशय विकारों में, अतिसार ग्रहणी, प्रदर	उत्तर पूर्व भारत

Scanned with OKEN Scanner

73	अशोक (वृक्ष)	Leguminoceae	Saraca asoka	हेमपुष्पक, ताम्र पल्लव	कषाय, तिक्त (631)	लघु, तीक्ष्ण, स्नग्ध	कफ पित्त शामक (K.P.S.)	त्वक, बीज, पुष्प	अशोकारिष्ट, अशोकघृत	बीज चूर्ण 3–6 ग्रा., पुष्प चूर्ण 3–6 ग्रा., त्वक क्वाथ 50–100 मि	अतिसार, प्रवाहिका, कृमि, रक्त प्रदर	मध्यपूर्व हिमालय
74	जम्बू (वृक्ष)	Myrtaceae	Syzygium Cumini	जामुन, जामलु	कषाय, मधुर, अम्ल (631)	लघु, रूक्ष	कफ पित्त शामक (K.P.S.)	फल, फलास्थि, तवक, पत्र	जम्ब्वाद्य तैल, पंचपल्लवयोग	स्वरस 10–20 मि.ली. चूर्ण 3–6 ग्रा.	मधुमेह, रक्त प्रदर, रक्त अतिसार, चर्मरोग	भारत में 4000 फिट की ऊंचाई पर
75	पाषाण भेद (क्षुप)	Saxifragacceae	Bergenia Lingulata	अश्मघ्न, परवान भेद	कषाय, तिक्त (631)	लघु, तीक्ष्ण	त्रिदोष हर (K.P.S.)	मूल	पाषाण भेद क्वाथ, द्यृत	चूर्ण 3–6 ग्रा., क्वाथ 50–100 मि.ली.	प्रमेह, अश्मरी, मूत्रवह	भारत में हिमालय 4000 फिट
76	धात की (गुल्म)	Lytheraceae	Woodfordia fruticora	धातुपुष्पी	कषाय (631)	लघु, रूक्ष	कफ पित्त शामक (K.P.S.)	पुष्प	धातक्यादि चूर्ण, तैल	चूर्ण 1–3 ग्रा.	दाह, रक्तरत्रा, व्रणघ्रें	समस्त भारत वर्ष में 5000 फिट
77	बीजक	Leguminosae	Papilionatae Marsupium	विजयसार, पीतसाल	कषाय, तिक्त (631)	लघु, रूक्ष	कफ पित्त शामक (K.P.S.)	कण्डसार, निरसाय		क्वाथ 50–100 मि.ली. चूर्ण 3–6 ग्रा.	शोथहर, मधुमेह, कुष्ठ, अतिसार, प्रवाहिका	भारत वर्ष में बिहार, उड़ीसा
78	लवंग (वृक्ष)	Myrtaceae	Syzygium aromaticum	देकुसुम, चंदनपुष्पक, वारिज, लौंग	तिक्त कटु (531)	लघु, रूक्ष, तीक्ष्ण	कफ पित्त शामक (K.P.S.)	पुष्पकलिका	लवंगादि चूर्ण, वटी, लवंगोदक, अपित्तकर चूर्ण	चूर्ण 1–2 ग्रा. तैल 1–3 बूंद	आमवात, दंतशूल	जंजीवार विशेष पिनांग श्रीलंका, सिंगापुर, केरल
79	कुटज (वृक्ष)	Apocynaceae	Holarrhena antidysentrica	गिरिमल्लिका, वृक्षक, इन्द्रवृक्ष, कालिंग	तिक्त, कषाय (531)	लघु, रूक्ष	कफ, पित्त शामक (K.P.S.)	त्वक बीज	कुटजारिष्ट, कुटजसुरा, कुटुजावलेह	क्वाथ 20–30 ग्रा. चूर्ण 3–6 ग्रा.	अतिसार कृमि, अर्श, ग्रहणी, ज्वर	समस्त भारत में 4000 फिट की ऊंचाई पर

Scanned with OKEN Scanner

80	पर्पट	Fumariaceae	Fumaria Vaillantii	पित्तपापड़ा,रेणु, शाहतरा	तिक्त (531)	लघु	कफ, पित्त शामक (K.P.S.)	पंचांग	पर्पटादि क्वाथ, अरिष्ट	चूर्ण 3–6 ग्रा., क्वाथ 50–100 ग्रा.	ज्वर, मूत्रकृच्छ, कुष्ठ तृष्णा, अरुचि, अग्निमांध	गंगा नदी के किनारे
81	मुस्तक	Gyperaceae	Cyperus rotundus	मोथा, नागरमोथ, मुस्ता	तिक्त, कटु, कषाय (531)	लघु, रूक्ष	कफ पित्त शामक (K.P.S.)	कंद	मुस्तकादि क्वाथ, चूर्ण, अरिस्ट	चूर्ण 3–6 ग्रा., क्वाथ 50–10 मि.ली.	कांडू, चर्म रोग, मूत्रकृच्छ, वमनादि, अरूचि, कृमिरोग	समस्त भारत में 6000 फीट की ऊंचाई पर
82	कपूर (वृक्ष)	Lauracee	Cinnamomum Camphera	घनसार, चन्द	तिक्त, कटु, मधुर (531)	लघु, रूक्ष	त्रिदोष हर (T.H.)	निर्यास (सत्व)	कर्पूर रस, कर्पूरासव	125–375 मि. ली.	वृक्क उत्तेजक, स्तन्य शामक, दाहप्रशामन	भारत, चीन
83	चंदन वृक्ष	Santalaceae	Santalum album	श्रीखण्ड, गंधसार, मलयज	तिक्त मधुर (531)	लघु, रूख	कफ पित्त शामक (K.P.S.)	काण्डसार	चन्दनादि चूर्ण, आसव	चूर्ण 3–6 ग्रा., तैल 5–20 बूंद	दाह शामक, त्वक रोग, शिरः शूल, कण्डु	तमिलनाडु और मालवार के पहाड़ी क्षेत्र में
84	कटुका (क्षुप)	Scrophul ariaceae	Picorhiza kurra	कटुरोहिणी, चक्रांगी, कृष्णभेदा, शतपर्णा	तिक्त (531)	लघु, रूक्ष	कफ पित्त हर (K.P.H.)	मूल	आरोग्य वर्धनी तिक्तादि क्वाथ घृत	चूर्ण 1/2–1 ग्रा., 3–6 रेचनार्थ	आरूचि, अग्निमांध , ज्वर, कांस, श्वास, चर्मरोग	कश्मीर से सिक्किम तक 7 से 14 हजार फिट ऊंचाई तक
85	वासा (क्षुप)	Velerianaceae	Adhatoda Vasica	वासक, वासिका, वृष, अडुषा	तिक्त कषाय (531)	रूक्ष लघु	कफ पित्त शामक (K.P.S.)	मूल पत्र, पुष्प	बासा–अवलेह, पानक,अरिष्ट	पत्रस्वरस 10–20 मि. मूलक्वाथ 40–80 मि.ली.	संधि शोथ, व्रण, कास, जवर, रक्त	समस्त भारत वर्ष में
86	जटामांसी (क्षुप)	Valerianaceae	Nordostachy's Jatamansi	भूतजटा, तपस्विनी, नलदा	तिक्त, कषाय, मधुर (531)	लघु, स्निग्ध	त्रिदोषहर (T.H.)	मूल	मांस्यादि क्वाथ, रक्षोघ्न घृत	2–4 ग्रा.	शिरः शूल कुष्ठ, दीपन, पाचन	भारतवर्ष में 4000 फिट की ऊंचाई पर

Scanned with OKEN Scanner

87	उशीर (तृण)	Meliaceae	Vetiveria Zirzanioidis	समगन्धक, जलवास, खस	तिक्त, मधुर (531)	लघु, रूक्ष	कफ पित्त शामक (K.P.S.)	मूल	उशीरासव, उशीरादि चूर्ण, क्वाथ, तैल	चूर्ण 3–6 ग्रा., काण्ट 50–100 मि.लि. हिम 25–50 मिली.	दाह, चर्म रोग, अतिसार, रक्तपित्त	दक्षिण भारत में
88	निम्ब (वृक्ष)	Leguininosae	Azadiracta indica	पिचुमद, अरिष्ट, हिंगुनिर्यास, नीम	तिक्त, कषाय (531)	लघु	कफ पित्त शामक (K.P.S.)	पुष्प, पत्र, बीज, त्वक, तैल	निम्बाद चूर्ण, अरिष्ट	त्वक चूर्ण 2–4 ग्रा. पत्रस्वरस 10–20 मि.ली. तैल 5–10 बूंद	कृमि, पालित्य, फिरंग, अर्श, ज्वर, नेत्ररोग	समस्त भारत वर्ष में
89	खदिर (वृक्ष)	Leguininosae	Acasia catacha	रक्तसार, दंतधावन, कण्टकी	तिक्त कषाय (531)	लघु, रूक्ष	कफ पित्त शामक (K.P.S.)	त्वक, खदिरसार	खदिरादि चूर्ण, अरिष्ट, बरी	चूर्ण 1–3 ग्रा. क्वाथ 50 से 100 मि.ली.	रक्त पित्त, पाण्डु, कास, प्रमेह, कण्डु	हिमालय प्रदेश में 5000 फिट की ऊंचाई पर
90	रोहीतक	Bignoniaceae	Tecoma Undulata	रोहेड़ा, प्लीहघ्न	कटु, तिक्त, कषाय (431)	लघु, रूक्ष	कफ पित्त शामक (K.P.S.)	त्वक्	रोहितकारिष्ट, रोहीता चूर्ण	चूर्ण 1–3 ग्रा. क्वाथ 50 से 100 मि.ली.	श्वेतप्रदर, कामला, प्लीहा रोग, गुल्म, रक्त विकार	राजस्थान, गुजरात में 4000 फिट की ऊंचाई
शीत वीर्य मधुर विपाक												
91	सारिवा (लता)	Asclepidaceae	Hemidrmusindieus	उत्पल सारिया, आनंतमूल, सारिवा	मधुर तिक्त (111)	गुरू स्निग्ध	त्रिदोष शामक (T.H.)	मूल	सारिवादि वटी, क्वाथ	फाण्ट 50–100 मि.ली. कल्क 5–10 ग्रा.	श्वास, कास, कुण्ठ, विसर्व, गर्भस्त्राव	संपूर्ण भारत वर्ष में
92	गोक्षुर (क्षुप)	Zygophyllaceae	Tribulus terresris	खद्रष्ट्रा, त्रिकंटक	मधुर (111)	गुरू, स्निग्ध	वात पित्त शामक (V.P.S.)	फल, मूल	दशमूलारिष्ट गोक्षुरादि चूर्ण	फल चूर्ण 3–6 ग्रा. क्वाथ 50–100 मि. ली.	श्वास, कास, अर्श, शक्र, दौर्बल्य	समस्त भारत में
93	शाल्मली	Bombacaceae	Salmalia Malabarica	सीमलो, शेमलो, सेमल	मधुर (111)	लघु, स्निग्ध, पिच्छिल	वात पित्त शामक (V.P.S.)	मूल, पुष्प, फल, निर्यास	शाल्मलीघृत	मूलचूर्ण 5–10 ग्रा. पुष्पस्वरस 10–20 मि.लि.	वृक्शशूल, अतिसार, प्रवाहिका, ग्रहणी, असमरी, रक्त पित्त	समस्त भारत में

Scanned with OKEN Scanner

94	विदारी	Leguminosae	Pueraria tuberosa	विदारीकंद, शीमिया	मधुर (111)	गुरू, स्निग्ध	वात पित्त शामक (V.P.S.)	कंद	नहीं	चूर्ण 3–6 ग्रा.	क्षय, विषमजवर, हृदयदोर्बल्य	समस्त भारत में हिमालय प्रदेश में 4000 फिट की ऊंचाई पर
95	आराग्वध (वृक्ष)	Leguminosa	Cassia fistula	अमलतास, राजवृक्ष, चतुरंगुल	मधुर (111)	गुरू, स्निग्ध	वात पित्त शामक (V.P.S.)	फल मज्जा, पत्र, मूलत्वक, पुष्प	चूर्ण आरग्वधादि तैल, लेह	फल मज्जा 5–10 ग्रा. विरेचनार्थ 10–20 मि.ली.	दाह, व्रण, शोथ, ज्वर, कामली	समस्त भारत में
96	पुन्नाग (वृक्ष)	Guttiferae	Colofryllum imophyllum	तुंग, चंपा	मधुर कषाय (111)	लघु, रूक्ष	कफ पित्त शामक (K.P.S.)	त्वक, बीज, तैल		त्वक क्वाथ 50–100 मि. ली. तैल 2–5 बूंद		बंगाल, उड़ीसा में
97	आमलकी (वृक्ष)	Euphoriaceae	Emblica offeinalis	धात्री, आंवला	अम्ल (211)	गुरू, रूक्ष, शीत	त्रिदोष शामक (T.H.)	फल	च्यवन प्रश ब्रह्मरसाय न	स्वरस 10–20 मि.ली. चूर्ण 3–6 ग्रा.	हृदयरोग, सूक्ष्मा, रोग, अर्श	भारत सर्वत्र 4500 की ऊंचा है
98	मण्डुक पणी (क्षुप)	Umbellifereae	centella asitica	ब्राह्मी सरस्वती	तिक्त (511)	लघु	कफ पित्त शामक (K.P.S.)	पंचांग	सारस्वतारिष्ट, ब्राह्मी तैल	कल्क 10–20 ग्रा.	स्मृति दौर्बल्य शोथ, कुण्ठ	भारत एवं श्रीलंका में सर्वत्र 200 फिट की ऊंचाई पर
99	शंखपुष्पी (क्षुप)	Convolvulaceae	convolvulus pluricoulis	क्षीरपुष्पी, मांगलय कुसुम	तिक्त (511)	स्निग्ध, पिच्छिल	त्रिदोषहर (T.H.)	पंचांग	शंखपुष्पी पानक	कल्क 10–20 ग्रा.	नाडी दौर्वल्य, ज्वर, रसायन बल्य	समस्त भारत में पथरले, मैदानों में

Scanned with OKEN Scanner

100	एला (क्षुप)	Zingiberacea	elettariacordamomum	त्रिपुटा, द्राविड़ी, त्रुटि	कटु मधुर (411)	लघु, रूक्ष	त्रिदोषहर (T.H.)	बीज	एलादि चूण्र,एलादि अरिष्ट क्वाथ	0.5 से 1 ग्रा.	ह्रद, बल्य, दाहप्रशमन, दुर्गन्धनाशक	मैसूर, लंकार में
101	दुर्वा	Graminae	Cynodon dactylon	दूव, दूर्वा	कषाय, मधुर (611)	लघु	कफपित्तशामक (K.P.S.)	पंचांग	दूर्वादि क्वाथ	स्वरस 10–20 मि.ली.	कुष्ठ, मूत्रकृक्ष, गर्भपात, अर्श, प्रवाहिका	समस्त भारत में पायी जाती है।
शीत वीर्य अम्ल विपाक											
102	यष्ठी मधु (क्षुप)	Leguminosae	Glyyrrhizaglabra	मधुक, क्लीतक, मुलेठी	मधुर (121)	गुरू, स्निग्ध	वात पित्त शामक (V.P.S.)	मूल	यष्टयादि चूर्ण, यष्टीमध्वाद्य तैल	3–5 ग्रा.	कुष्ठ रोग, क्षय, स्तन्यालातात्वग	जम्मू कश्मीर, दिल्ली में
103	शतावरी लता	Liliaceae	Asparagusa racemosus	शतमूली, शतवीय्र, अतिरसा, बहुसुता	मधुर तिक्त (121)	गुरू, स्निग्ध,	वात पित्त शामक (V.P.S.)	कंद	नारायण तेल, विष्णु तैल, शमावरी वृत	स्वरस 10–20 मि.ली. चूर्ण 3–6 ग्रा.	मस्तिष्क,दौर्बल्य, अपरमार, मूर्च्छा, शुक्रक्षय	समस्त भारत में 4000 फिट की ऊंचाई
104	बला (गुल्म)	Malvaceae	Sida cordifolia	खरयष्टिका, बरियार	मधुर (121)	लघु, स्निग्ध, पिच्छिल	वात पित्त शामक (V.P.S.)	मूल, बीज	बलादि क्वाथ घृत अरिष्ट	स्वरस 10–20 मि.ली. चूर्ण 3–6 ग्रा.	ग्रहध्सर, शता, ह्रदयदौर्बल्य	समस्त भारत में 3500 फिट की ऊंचाई पर
105	भू आवला (क्षुप)	Eaphorbiace	Phyllanthus urinaria	भूधात्री, तामलकी, बहुपत्रा, बहुफला	तिक्त, कषाय, मधुर (521)	लघु, रूक्ष	कफ पित्त शामक (K.P.S.)	पंचांग	च्यवनप्राश	स्वरस 10–20 मि.ली. चूर्ण 3–6 ग्रा.	व्रण, शोथ, हिक्का, प्रवाहिका	समस्त भारत में

Scanned with OKEN Scanner

Name **Medical Use**

1. सर्पगन्धा :– High B.P., Chronic fever, eplepasy Anxiety.
2. गुग्गुलु :– Obesity, fistula, piles.
3. किराततिक्त :– Fever, cough, cold, UTD, Asthama, Heavy periods, liver disorder, diabetes, (analgesic, anti-inflammatory, anti-carcinogenic)
4. निर्गुण्डी :– Asthama, Cold, cough, antispasmodic, anorexia, abdominal tumour, arthritis.
5. कपीलु :– Diarrhoea, Skin disorder, Diabetes, Anorexia, Abdominal Tumour, Asthma, obesity.
6. बाकुची :– Cardiac tonic, Bronchitis, Asthama, UTI, (Urinary tract infection) worm infection, cough, cold, anaemia
7. अग्निमनथ :– Anaemia, inflammation, constipation, Asthma, UTI, Diabetes.
8. तालीश :– Cardiac tonic, abdominal tumours, T.B., Cough.
9. कण्टकारी :– Fever, asthama, anorexia, skin disease, amenorrhea, bronchitis, (Anti oxidant, anti bacterial)
10. हरिद्रा :– Anaemia, Upper respiratory tract, Inflammation, blood purification, skin disorder (Anti allergic, Anti toxic)
11. रसना :– Anorexia, arthritis, chest pain, skin disorder (Anti pyretic).
12. कालमेध :– Abdominal pain (Anti helminthes, Anti peristaltic, Anti microbial).
13. भंगा :– Diarrhoea, epilepsy, glaucoma, (Anti bacterial, Analgesics, Anti-inflammatory).
14. त्वक :– Headache, Arthritis, Allergy, (Anti toxic, diuretic).
15. अतिविषा :– Relives vomiting, fever, dysentery, diarrhoea, cough (Anti toxic)
16. त्रिवृत्त :– constipation, inflammation, splenomagly, gout (Anti ulcer, Analgesics).

Name **Medical Use**

17. अहिफेन :– Diarrhoea, Chronic fever, muscular pain, anxiety, insomnia (Analgesics).
18. मंजिष्ठा :– Fever, Skin disorder, diabetes, Ear-eye pain, Inflammation. (Anti toxic, Anti poisonous)
19. गम्भारी :– Diarrhoea, Nostrial bleeding, fever, (carminative)
20. दारूहरिद्रा :– Diabetes, Dirrhoea, Joint pain (Anti Diarrhoeal, Anti microbial, Anti diabetes)
21. पुष्करमूल :– Heart Disease, Anemia, Liver disorder, fever, anorexia (Anti bacterial, Anti asthmatic).
22. वरूण :– Worm inflection, Gout, Dysuria, Constipation, Paralysis, (Diuretic).
23. भारंगी :– Ashtama, Allergy, fever, T.B., Abdominal tumour, (Anti microbial, Anti allergic).
24. कुष्ठ :– Cough, cold, ashthama, epilepsy, Arthritis, Headche, Herpes, (Anti viral, anti inflammatory)
25. कुमारी :– Constipation, spleenomagly, Skin disorder, Asthama (Anti aging)
26. भृंगराज :– Hairfall, Liver Disorder, Skin Disorder, Asthama, pain swallowing, (Anti inflammator).
27. ज्योतिष्मती :– Constipation, Leucoderma, Epliapsy, Cardiac-tonic, Liver disorder.
28. अगरू :– Skin disorder, worn infection, Asthama, cough, cold.
29. वचा :– Epilapsy, Abdominal pain, syphilis, fever, obesity (Anti microbial)
30. यवानी :– Abdominal pain tumour, worm infection.
31. वृहती :– Asthama, Female, Anorexia, skin disease, (diuretic)
32. चित्रक :– Skin disorder, cough (Anti inflammatory).
33. बाराही :– Hunger, Abdominal disorder leprosy (Diuretic)

Scanned with OKEN Scanner

Name Medical Use

34. मरिच :– Anorexia, intestinal worm infection, asthama, fever, obesity, (Anti cancer, anti oxidant, anti bacterial).
35. शिगु :– Headache, splenic disorders, lyphadenitis, cardic tonic, abdominal tumours, (analgesic, anti inflammatory)
36. जीरा :– Abdominal tumor, diarrhoea, worm infection, vomiting, skin diseases
37. हींग :– Abdominal pain, asthama, cough inflammation, fever.
38. कुमकुम :– Diarrhoea, vomiting, acidity, cardiac, chronic, low sperm count, liver disorder.
39. मदनफल :– fever, abdominal tumour, inflammation, anorexia, excess of vomiting.
40. अर्क :– Abdominal tumour, Spleen disorder, worm infection, cough, asthama, anorexia, (Expectorant)
41. जयपाल :– Diarrhoea, dysentery, abdominal pain arthritics, cough, asthama, anorexia, (Anti convulsant, Anti bacterial)
42. विडंग :– Anorexia, worm infection, skin disrorder, abdominal pain (Anti helmintic, Anti histaminec, broncho dilatory)
43. पलास :– Haemorrhoids, Abdominal disorder, skin disease, gout, piles.
44. तुलसी :– Asthama, chromic, cough, cold, relives, vomiting, kidney, gallbladder stone, eye disorder. (Antiviral, Anti microbial, Antitoxic, cardiac)
45. अपामार्ग :– Piles, haemorrhoids, vomiting, abdominal pain, allergic, pneumonia, urinary & Gallbladder stone, (Diuretic, Antistone, anti bacterial, anti oxident).
46. नागकेसर :– UTI, Gout, Edima, Hedache, fever, relives vomiting.
47. शल्लकी :– Ulcer, skin disorder, diarrhoea, nasal bleeding, fever, arthritis.
48. विल्व :– Cough, cold, arthritis, ear pain.

Name Medical Use

49. कर्कटश्रंगी :– Fever, asthama, cough, cold, bronchistis, anorexia.
50. शिरीष :– Skin disorder, asthama, cough, cold, inflammation.
51. श्योनाक :– Fever, cough, cold, arthritis, diarrhoea, Anorexia (Anti microbial)
52. दाडिम :– Anorexia, diarrhoea, increase sperm count, (Anti oxident)
53. रसोन :– Fever, cough, cold, asthama, UTI, Anorexia, edema.(anti inflammatory)
54. अश्वगंधा :– Improves immunity, paralysis, leucoderma, inproves seman (Anti aging)
55. गुडुची :– UTI, Anaemia, jaundice, gout, fever, piles, cough, cold.
56. कपिकच्छु :– neurological disorder, healing, amenorrhoea.
57. पुनर्नवा :– sweating treatment, anaemia, high B.P, cough, cold, chest injury (Diuretic).
58. एरण्ड :– spleen disorder (splenomagly), Abdominal pain, asthama, cough, cold, Diabetes, UTI, (Anti inflammatory).
59. पृश्निपर्णी :– Diarrhoea, Dyspnoea, (Anti ematic).
60. वत्सनाभ :– Fever, Splenomagly, Gout, asthama, Diabetes, COPD, piles, flstula, Anaemia.
61. शालपर्णी :– Bronchities, Asthama, dysentery, fever.
62. भल्लातक :– Fever, Inflammation, (Anti aging, Anti cancer)
63. शुण्ठी :– Cough, cold, Abdominal pain, asthama, Anorexia, Inflammation.
64. पिप्पली :– Asthama, Anaemia, Cough, cold, Diabetes.
65. हरीतकी :– Diabetes, asthama, UTI, piles.
66. विभीतक :– Cough, cold, vomiting, laxative.
67. अर्जुन :– Cardiac disorder, cheat enjury, UTI, Diabetes, Reduce cholesterol, T.B.
68. कांचनार :– Leprosy, cough, urinary problem (Anti malarial, anti fungal, anti bacterial).

Scanned with OKEN Scanner

Name Medical Use

69. लोघ्र :– Anorexia, diarrhoea, Anaemia, inflammation, leucorrhoea.
70. अशोक :– Abdominal Tumour, Cardiac Tonic, (Anti bacterial).
71. जम्बू :– Diabetes, Cough, cold, asthama, Anorexia.
72. पाषाण भेद :– Kidney stone (Anti stone)
73. धातकी :– diarrhoea, Dysentry, Worm infection, Nasal bleeding.
74. बीजक :– hair growth, Diabetes, Inflammation, liucoderma, (Anti dipetic, anti bacterial)
75. लवंग :– Teeth pain, syphills, morning sickness, Anorexia, (Diuretic)
76. कुटज :– diarrhoea, Fever, gout, Detoxifies blood, (Anti fungal, Anti malarial).
77. पर्पट :– diarrhoea, Fever, Dysentry, Laxaitve (Anti septic)
78. मुस्तक :– Urinary disorder, (Anti fertility, Anti spasmodic, analgesic).
79. कपूर :– Cough, High B.P., Eye disorder (Side effect)
80. चंदन :– Nasal Bleeding, detoxifies blood, (Diuretic, Anti fungal)
81. कटुका :– Anorexia, Fever, cough, cold, hepatitis, asthama, UTD
82. वासा :– Fever, cough, cold, vomiting, asthama, bronchistis (Anti microbial, Andi oxidant)
83. जटामांसी :– Depression, Improves immunity.
84. उशीर :– Fever, Diabetes, Paralysis (Anti toxic)
85. निम्ब :– Diabetes, Fever, Anorexia, detoxifies blood (Anti microbial)

Name Medical Use

86. खदिर :– Leukemia, Carcinoma, dysentery, (Anti bacterial)
87. सारियालता :– Fever, cough, cold, Diabetes, Anorexia, diarrhoea. (Anti microbial)
88. गोक्षुर :– Abdominal pain, asthama, bronchistis, piles
89. आराग्वध :– Fever, Colic pain, Cardiac disorder, Bolting (Anti bacterial, Anti fungal)
90. पुन्नाग :– Nasal Bleeding, Skin diseases, menorrhagia.
91. आमलकी :– Fever, cough, cold, Diabetes, Vitamic C, UTD, rejuvenative. (Anti aging)
92. मण्डुक पर्णी :– Diabetes, cough, cold, asthama, Improves intelligenence (Anti aging)
93. शंखपुष्पी :– Improve memory, vomiting, epilepsy, High B.P., insomnia.
94. एला :– cough, cold, Anorexia, piles, T.B. (Diuretic, Anti microbial, Anti ulcer)
95. दुर्वा :– Kidney stone, gynaecological problems, epilepsy (Anti bacterial)
96. यष्ठी मधु :– T.B., Leprosy, increase sperm count, hair fall (anti aging)
97. शतावरी :– Chest enjury, Diabetes, T.B., Piles, epilepsy (Anti inflammatory, Anit microbial)
98. बला :– Cold, diarrhoea, gout, joint pain, (Anti bacterial)

Scanned with OKEN Scanner

Pharmacology

Introduction :- Pharmacology is the science of drugs or we can say that the study of drugs their sources, their nature and their properties. Pharmacon (Science) + Logy (Study)

So, Pharmacy is a science by which we can study the action of the drug on the single part, organs tissues or the whole body. This word pharmacology is mainly used by modern medical sciences.

Two main division :- 1. Pharmaco Dynamics & 2. Pharmaco Kinetics

1. **Pharmaco Dynamics :-** It is the science by which we can study the dynamic action of medicine on the healthy human being. Include action of Drug on body.
2. **Pharmaco Kinetics:-**It is a science by which we can study that what the body does to the drug. It includes absorption, distribution, storage, bio transformation & excretion of drug.

Other branches of Pharmacology

Pharmaco Therapeutics :- It is the application of Pharmacological info . Together with knowledge of the diseases for its prevention, migration & cure.

Clinical Pharmacology :- It is the scientific study of drugs (old & new) in man. Includes Pharmaco dynamic & Kinetics.

Chemotherapy :- It is the treatment of systemic infection with the specific drugs that have selective toxicity for infecting organism with no/minimal effect on the host cell.

Pharmacy :- It is the art & science of compounding & dispensing drugs or preparing suitable dosage forms of administration of drugs to man or animal.

Toxicology :- It is the effect of poisonous effect of drugs & other chemicals (mental, pollutant, industrial, agricultural) with emphasis on detection, prevention & treatment of poisonings.

Scanned with OKEN Scanner

Drug (Dry herb) :- It is the single active chemical entity present in a medicine. That is used for diagnosis, Prevention, treatment cure of a diseases.

Scope of Phamacology

By all above descriptions about Pharmacology we can say that. It is a unified study of the properties of chemical and living organism & all aspects of their interaction.

Means that is very useful for future study of antonymous science, drawing in the technique so knowledge.

Principles of General Pharmacology

In the Pharmacology a drug is a chemical agent which can effect living process but here in Pharmacology we will mainly talking about small molecules which effect cellular process.

So in Pharmacology most drug are xenopiotics chemicals that are not synthesized by the body but introduced into it from outside.

Principle of Drug action

Drugs do not impart new function to any system, organ or cell they only alter the pace of ongoing activity.

1. Stimulation
2. Depression
3. Irritation
4. Replacement
5. Cytotoxic action

Routes of Drug administration

Most of the drugs can be administered by a variety of routes. The choice of appropriate route in a given situation depends both on drug as well as patient related factors.

Routes can be broadly divided into these for :

(a) Local action and (2) Systemic action

Scanned with OKEN Scanner

(a) Local action :- action on a particular area.

(1) Topical :- external application on eyes, earcanal, vagina, anal canal, nasal mucosa etc. in the form of lotion, ointment, cream, powder, spray, drops.

(2) Deeper tissues :- Certain deep areas can be approached by using a syringe & needle. But the drug should be such a form that systemic absorption is slow.

eg :- Intra articular injection.

(3) Arterial Supply :- Close intra-arterial injection is uses for control media in angiography anticancer drugs can be infused in femoral or brachial artery.

(b) Systemic routes :- The drug administered to systemic routs is intenses to be absorbed into the blood stream and distributed all over, including the site of action, through circulation.

(1) Oral :- A. Oldest & commonest method.

B. Both solid as well as liquid forms.

C. Can be orally given.

(2) Sublingual or buccal :- Tablet or pellet containing the drug is placed under the tongue or crashed in the mouth and spread all over the Buccal mucosa.

eg. :- GTN, buprenor phin etc.

(3) Rectal :- Certain irritant and unpleasant drugs can be put into rectum as suppositories & retention enema. Only to patient having recurrent vomiting or is unconscious.

eg. :- Diazepam, paracetamol etc.

(4) Cutenous :- Highly pipes soluble drugs can be applied over the skin for slow & prolonged absorption.

Scanned with OKEN Scanner

(5) Inhalation :- Volatile liquids & gases are given by inhalation (nose) for systemic action.
eg :- General anaesthetics.
(6) Nasal :- The mucosa membrane of the nose can reality absorb many drugs, digestive juices liver are bypasses.
(7) Parental :- Par - beyond, enteral - intestinal .
Administration by injection which takes drug directly into the tissue fluids or blood without having to cross the enternal mucosa.
eg. :- Subcutaneous, intra muscular, intra venous, intra dermal injection.

Drug Dosage

Dose is appropriate amount of a drug needed to produce a certain degree of response in given patient.
eg. :- apirin for headace dose is 0.3-0.6 g. it's a analgesic.
(1) Standrad dose :- The same dose is appropriate for most patients. eg :- oral contraceptiuls, chloroqine, mebendazole, penicillin.
(2) Regulated dose :- The drug modifies a finely regulated body function which can be easily measure. eg :- Anti hypertensive's, diuretics.
(3) Target level dose :- The response is not easily measurable but has been demonstrated to be obtained at a certain range of drug concentration in plasma.
eg. :- digoxin, theophylline, anti depressant.
(4) Titrated dose :- The dose needed to produce maximal therapeutic effect cannot be given because of intolerable adverse effects.
eg. :- Anti cancer, corticosteroids, levodopa.
1. Factors Modifying drug action.
(a) Quantity (b) Quality
(1) Body Size :-
Individual dose $= \frac{\text{Bw (kg)}}{70} \times \text{average adult dose}$
(2) Age :-
Child dose $= \frac{\text{Age}}{\text{Age} + 12} \times \text{adult dose } (\textbf{young's formula})$
Child dose $= \frac{\text{Age}}{20} \times \text{adult dose } (\textbf{dilling's dose})$
(3) Sex (4) Species & race (5) genetics

Scanned with OKEN Scanner

General knowledge for medical students
Prescription writing

Definition :- It is a written document by the physician to a patient of a medicine.

(1) super scription (2) Inscription (3) Subscription (4) Signature

Name of patient :- → Superscription

Age :-

R_x

Inscription → Name of drug potency of medicine in bracket

Instruction for pharmasiste no. of days & no. of medicine to be given ← Subscription

Physician's Signature

Brief Knowledge about Phamacology of following Drugs

Anesthetics (Local & General)

General Anesthetics (GAs) are Drugs which product reversible loss of all sensations and conciseness.

1. Loss of pain or sensation.

2. Sleep.

3. Muscle Relaxation.

Local Anesthetics (LAs) are drugs which upon topical application or local injections cause reversible loss of sensory perception especially of pain, in a restricted area of body.

They block generation and conduction of nerve impulse at any part of neuron with which they come in contact without causing any structural damage.

Injetable - Low potency, short duration - procaine, chloro procaine

High potency, long duration - Tetra caine, Ropivacaine, Bupivacaine

Surface anesthetics

Soluble	**Insoluble**
Cocaine	Poenzocaine
Lidocaine	Oxethazaine

How it works :- LA block nerve conduction by decreasing entry of Na^+ ions during up stroke of action potential.

As **LA** increases rate of action potential & depolarization decreases fails to reach thresh hold potential & conduction block ensues.

Scanned with OKEN Scanner

General Anesthetics.

Inhalation Anesthetics :-

Gas	**Volatile liquids**
Nitrous oxide	Ether, isoflurane
	Halothane sevoflurone

Intravenous (Fast acting)

1. Thiopentone sodium.

2. Propofol.

Slower acting :-

1. Benzodiazepines (BZD's)

2. Ketamine

3. Fentanyl

	General anaesthesia	*Local anaesthesia*
1. Site of action	CNS	Peripheral nerves
2. Area of body involved	Whole body	Restricted area
3. Consciousness	Lost	Unaltered
4. Care of vital functions	Essential	Usually not needed
5. Physiological trespass	High	Low
6. Poor health patient	Risky	Safer
7. Use in non-cooperative patient	Possible	Not possible
8. Major surgery	Preferred	Cannot be used
9. Minor surgery	Not preferred	Preferred

CNS Depressants :- It is referred to as sedative & transquilizers are substances that can slow brain activity. This property makes them useful for treating anxiety & sleep this orders.

eg. - Benzo diazepines - Diazepam, Alprazolam

Barbiturates - Mephobarbital, Luminal sodium, Nembutal

Scanned with OKEN Scanner

Sedatives

A drug that subdues excitement and calms the subject without inducing sleep, it is due to some decrease in motor activity and ideation.

eg. :- Chlordiazepoxide, Lovazepam, Diazepam, Hydroxyzine, Buspirone, Alprazolam, Melatonin, Oxazepam.

Hypnotics

A drug that induces sleep or maintain sleep. A hypnotics at lower does may act as sedative.

eg. :- Donepezil, Nitrazepam, Flurazepam, Triclofos, Zopiclone, Calcium Bromide etc.

1. Barbiturates

Long acting	**Short Acting**	**Ultra Short acting**
Phenobarbitone	Butabarbitone	Thiopentane
	Pentobarbitone	Methohexitone

2. Benzodiazepines

Hypnotics	**Antianxiety**	**Anticonvulsant**
Diazepam	Diazepam	Diazepam
Flurazepam	Oxazepam	Lorazepam
Nitrazepam	Lorazepam	Clonazepam
Alprazolam	Alprazolam	Clobazam

New non-bezodiazepine hypnotics

Zopiclone, Zolpidem, Zolepam

Scanned with OKEN Scanner

Action :- These are CNS depressants, category of drug that slow normal brain function. These are various kinds of CNS depressants, most of which act on the brain by effecting the neurotransmitter gamma-aminobutyric acid (GABA). Neutro transmitters are brain chemical that conduct communication b/w brain cells. GABA works by decreasing brain activity. These increases GABA activity that they product a relaxing effect beneficial for those suffering from anxiety or sleep disorders.

Note :- Barbiturates now a days not used as hypnotics today Benzo diazepines used as Hypnotics.

Other actions :- Diazepam decreases nocturnal secretion and prevents stress ulcers BZD's do not significantly affect bowel movement.

Tranquilizers

A drug that calms and relives anxiety. 1st tranquilizer chloradiazepoxi- dehydro chloride (brand name - librium).

Most of these are potentially addictive particularly those in benzodiazepine family.

Two types - Major & Minor.

Major :- Phenothiazine, Chlorpromazine, thorazine.

Minor :- Valium, Librium, xonax.

Anti pyretic

NSAID's (Non steroidal anti inflammatory drugs) Non selective Cox inhibitors :- It reduces temperature in fever but do not cause hypothermia in normal thermic individuals.

Action :- Fever during infections and tissue injury is produced through the generation of phyrogens including IL's TNFα interferons which induce PGE_2 production in hypothalamus and raise its temperature set point.

NSAID's block the action of pyrogons but not that of PGE_2 injected into the hypothalamus.

eg. :- Pentazocine, Metamizol, Analgin,

NSAID's - Asprin, Ibuprofen

Scanned with OKEN Scanner

Analgesic (Painkiller)

The drug that relieves pain (achieve analgesia)
Action - Pyrogen (PG'S) induce hyper analgesia by affecting the transducing property of free nerve endings so that stimuli that normally do not elict pain are able to do so.

Classification of Drugs :-

NSAID'S are more effective against inflammation associated pain

Pentazocine, Ethoheptazine (opiod analgesics)

Morphine sulphate (opiod anal)

Propyphena zone, Paracetamol (non-opiod anal)

Analgin/Metamizol (Amidopyrine analgesics)

Antiinflammatory - Drugs that reduces inflammation .

Eg- Analgin, Metamizol, Ketorolac (NSAIDS).

NSAIDS are Antiinflammatory, **Antipyretic, Analgesics**

Eg- Asprin, Ibuprofen, Ketoprofen, Naproxen, Mephenamic acid, piroxicam, Ketorolac.
Prefential Cox- 2 Inbitors .
Nimuscelibe, Diclofena, Aceclofenac .
Selective Cox -2 inbitors.
Celecoxib, Parecoxib

ANALGESICS & Antipyretics with poor anti-inflammatory action :-
Paracetamol (Paraaminophenol), Metamizol, Nefopam.

Scanned with OKEN Scanner

Antiepileptics

Drug that cures epilepsis

Epilepsis :- Disorders of CNS in which consciousness is loss with or without characteristic movement of body, sensory or psychiatric phenomena .

Drugs :- Primidone, Clonaxepam, Clobazam, Phenytoin Sodium, Carbamazepine . Sodium Valproate, Gabapentin, Lamotrigne Topiramate , Phenobarbitone. Levetiracetam, Pregabalin, Zonisamide .

Newer drugs :- Topiramate, Zonisamide, Vigabatrin, Tiagabine, Locasamide .

Anti hypertensive

These drugs used to lower blood pressure in hypertensives. Hypertension is common disorder in past middle age.
It is not disease but is an important risk factor for cardio vascular mortality & morbidity.

Classification according to their action.

Diuretics :- Thiazide K^+ sparing.

Ace inhibitors :- Captopril, enalapril, Fosinopril, perindopril, lisinopril.

Angiotensin (AT_1 receptor) blocker:- Losartan, candesartan, valasatrum, temelmisatram.

Direct Renin inhibitors :- Aliskiren

Calcium Channel blocker :- verapomil, Diltiazem, Nifedipine

β Adrenergic Blockers :- Propranolol, Metoprodol, Atenolol etc.

$\beta + \alpha$ Adrenergic blockers :- Labetalol, carvedilol.

α Adrenergic blockers :- Prozosin, Terazosin, Doxazosin.

Vasodilators :- Arteriolar - Minoxidil

Arteriolar + Venous - Sodium Nitroprosside

Adrenergic Neuron Blockers :- Reserpine

Scanned with OKEN Scanner

Anti Anginal :- The drugs that prevent abort or terminate attacks of angina pectoris.

Angina Pectoris :- Is a pain syndrome due to induction of an adverse oxygen supply/demand situation in a portion of the myocardium.

Mechanism of action :- The relaxant effect on larger coronary vessels is the principal action of nitrates benefiting variant angina by counteracting coronary spasm.

Nitrates Dilates :- Cutaneous and meningeal vessels cousing headache splanchnic and renal blood flow decreases to compensate for vasodilatation in other areas nitrates tend to decongest drugs by shifting blood to systemic circulation.

Drugs :- Sotalol, Glyceryl trinitrate, Dilazep, Iso sorbite-5 mononitrate, tetranitrate, Lidoflazine, Pentaerythritol, Ranolazine.

Nitrates :-

Short acting - Glyceryl trinitrate (GTN)
Long acting - Isosorbite dinitrate, erythrityl, tetranitrate, pentaerythtritol.
***β* Blockers :-** Propranolol, metoprolol, Atenolol.
Ca^+ channel blockers :- Vezapamel, Felodipine, Nifedipine, Lacidipine, Benidipine.
K^+ Channel opner :- Niccor andil
others :- Dipyridamol, Ivabradime, Oxyphedrine, ronalazine.

Antiplatelets

Drugs which interfere with platelet function, and are useful in the prophyloxis of thromboembolic disorders. mainly used for aterial thrumbosis while anticoagulants are more effective in venous thrombosis.

These drugs helps heart to get more oxygen by lesser platelet chances of blood coagulation in arteries become less.

Drugs :- Asprin, Dipyridamole.

used in :- coronary artery disease, acute coronary syndrome, unstable angina.

Scanned with OKEN Scanner

Anticoagulants

Drugs reduces coagulability of blood.

1. Used in Vivo:- Heparin, Fondaparinux,Danaparoid Lepirudin,Argatrobam.

2.Used in Vitro:-Sodium Oxalate,Sodium edate, Sodium citrate.

Thrombolytics(used to lyse thrombi)

Clot to rechanalize blood vessels(mainly coronary artery) **eg:-** Streptokinase,Urokinase Ateplase, Reteplase , Tenecteplase.

NOTE:- Heparin in higher dose inhibits platelets prolongs bleeding time.

` **Hypolipidamic**

The drugs which lower the levels of lipids and lipoprotein in blood.

These drugs prevents cardiovascular disease by retarding the accelerated atherosclerosis in hyperlipidaemic individuals.

Drugs classification:-

3-hydroxy-3-methyl-glutaryl coenzyme A.

HMG-CoA reductase inhibitors(statins):- Lovastatin, Simvasta, Pravasta, pitavasta.

2. Bile Acid Sequestrants (Resine) :- Choletyra mine, colestripol.

3. Lipoprotein lipase activators (PPAR α activators, fibrates) :- clofibrate, gemfibrozil, Bezafibrate, fenofibrate.

4. Lipolysis & triglyceride synthesis - inhibitors Nicotinic Acid (Niacin).

5. Sterol absorption inhibitor :- ezetimibe.

Scanned with OKEN Scanner

Heomopoetic

The drugs which helps in formation of blood so are used to treat anaemias.

Anaemia occurs when the balance b/w production & destruction of RBC's is disturbed by

1. Blood loss.

2. Deficiency of essential factors like iron, vitamin B_{12}, folic acid.

3. Haemolytic Anaemia.

Drugs :- Iron/ferrous sulphate, ferrous gluconate (12% iron), ferrous fomarate (33%), ferric hydroxide (50%), carbonyl iron, ferrous succinate (35%), Iron choline citrate. ferrous ammonium citrate (20%).

Vitamin B_{12} :- Cynocobalamine, Hydroxycobalamine, Methyl cobalomin.

Folic acid :- Folvite, folinic acid.

Broncho dilators

The drug that causes widening of bronchi for **eg :-** any of these taken by inhalation for the alleviation of asthama.

or

The substances that dilates the bronchi & bronchioles by decreasing resistance in the respiratory airway & increasing air flow to lungs.

1. β_2 sympathomimetics :- Slabutamol, Terbutaline, Bambutarol, Salmetarol, Formaterol, Ephedrine.

2. Methylxanthines :- Theophylline (anhydrous), Doxophylline.

3. Anti cholinergics :- Ipra tropium bromide, Tiotropium bromide.

Scanned with OKEN Scanner

Two types of bronchodilators

Short Acting	Long acting
Salbutanol	Salmeterol
Levosalbutanol	Clenbuterol
Pirbutevol	Formoterol

Aerosols

All types sprays used as drugs or for any other purpose are called aerosols contain propellants & solvents.

Inhalants

These are volatile substance that produce chemical vapours that can be inhaled to induce a phychoactive or mind alerting effect.

Expectorants

Mucokinetics are drugs believed to increase bronchial secretion or reduce its viscosity facilitating its removal by coughing.

1. Bronchial secretion enhancers :- Sodium or Potassium citrate potassium iodide, balsum of tolu, vasaka, ammonium chloride.

2. Mucolytics :- Bromhexine, Ambroxol, Acetylcysteine, carbocisteine.

Demulcents

Demulcents sooth the throat & reduce afferent impulses from the in flamed/irritated pharyngeal mucosa thus provide symptomatic relief in dry cough arising from throat.

Drugs :- Pharyngeal demulcents

Lozenges, cough drops, linctuses containing syrup, glycerine liquorice.

Scanned with OKEN Scanner

Digestants

The substances used to promote digestion of food No. of proteslytic, amylolytic, lipolytic enzymes promotes digestion.

Pepsin, papain, pancreatin, diastase.

Combination :- Anistozyme, Digeplex, Entozyme, Lupizyme, Panzynorm, Vitazyme.

Carminatives

Also know as carminativum is an herb or preparation intended to either prevent formation of gas in gastrointestinal tract or facillate the expulsion of said gas, there by combating flatulence.

Magnesium hydroxide, calcium carbonate.

Eg. :- Simethicone, Antaacids, Sodium alginate, comeprazole, Roxatidine, Sodium bicarbonate.

Anta Acids

The substances which neutralize gastric acid and raise pH of gastric contents.

Eg- Sodium bicarbonate, Sodium citrate, Magnesium Hydroxide, aluminium hydroxide gel, magaldrate, calcium carbonate.

Combination :- Acidin, Almacarb, Allujel, Digene, Dignene gel, Gelusil, Mucaine.

Anti Ulcer

The substances that act by inhibition of gastric acid production, neutralizes the acid or protect the gastrointestinal mucosa from acid injury.

1. The substances used for both prevent ion & therapy of duodenal gastric ulcer, disease as well as to alleviate acid reflax, esophgitis & minor upper intestinal discomforts.

2. Reduction of gastric secretion.

Classification of Drugs :-

1. H_2 antihistamines :- Cimetidine, Ronitidine, Famotidine, Roxatidine.

2. Proton pump inhibitions :- Omeprazole, Lanso prazole, pantoprazole. Esomeprazole.

3. Ulcer protective :- Codiolal bismuth subcitrate, sucrolfate.

4. Anti H pylori drugs :- Amoxicillin, Tinidazole, Tetracycline, Clarithromycin.

Scanned with OKEN Scanner

Laxatives

The drugs that promote evacuation of bowels.

Laxatives :- milder action, elimination of soft but formed stools.

Purgative :- Stronger action resulting in more fluid evacuation.

Note :- Drugs in low dose act as laxative & in larger dose act as purgative.

Classification of laxatives :-

1. Bulk forming :- Dietary fibre :- Bran, Psyllivm, Ispaghala, Methylcellulose.

2. Stool softner :- Docusates (DOSS), liquid paraffin.

3. Stimulant purgatives :- Caster oil. phenol phthalein, senna, prucalopride, bisacodyl.

4. Osmotic purgatives :- Sulphate, phosphate, sodium pot. tartrate, lactulose.

Action :- All purgatives increases H_2O content of the faeces by :-

a. Osmotic action in the intestinal lumen.

b. Acting on intestinal mucosa decreases absorption of water & electrolyte.

c. increases propulsive activity.

Anti diarrhoels

The substances which provide symptomatic relief for diarrhoea.

Classification of Drugs :-

Electrolyte solution :- These are not anti diarrhoeals are used to replace lost fluids and solts in acute cases.

* **Bulking agents** like methyl cellulose, gaur gum or plant fibre are used for diarrhola in functional bowel disease and to control ileostomy output.

*** Absorbents :-** Absorb toxic substances that cause infective diarrhoea, methylcellulose in an absorbant.

* **Anti inflammatory :-** Bismuth subsalicylate.

* **Anti cholinergics :-** Reduces intestinal movement and are effective against both diarrhoea & accompanying cramping.

* **Opioids :-** Morphine, codeine, Loperamide.

Scanned with OKEN Scanner

Anti emetic

The drugs used to prevent or suppress vomiting.

Vomiting (emesis) is due to stimulation of vomiting centre situated in the medulla oblongata.

Antiemetics Classification :-

1. **Antichlo linergics :-** Hyoscine, Dicylomine.

2. **H_1 anti histamines :-** Promethazine, Diphenhydramine, Doylomine, Meclazine, Cinnarizine.

3. **Neuro leptics (D_2 blockers) :-** Chlorpromazine, Triflupromazine, Prochlorperazine, Haloperidol etc.

4. **Prokinetic :-** Metoclopranide, Dumperitone, Mosapride, Itopride.

5. **5-HT_3 antagonists :-** Ondansetron, Gransietron, Palonosetron, Ramosetron.

6. **NK_1 receptor antagonists :-** Asprepitant, Fosa prepitant.

7. **Adjuvant :-** Doxam ethasons, Benzo diazepines, antiemtics, Nabilone, Dronabinol.

Hepatoprotective

The medications which have protective & regenerating effect on the liver cells.
These drugs used in petients with various liver diseases. eg :- in chronic alcoholism, liver inflammation, liver cirrhosis.
Drugs :- Silymarin, essential phospholifide, Urodeoxycholic acid, 5-adenosylmethinine.

Diuretic

These drugs which cause a net loss of Na^+ and water in urine. These are most widely prescribed drugs.

Classification of Diuretic Drugs :-
1- High efficacy diuretics (Inhibitors of Na^+-K^+-$2Cl^-$ contransport) :- Sulphamoyl derivatives, furssemide, bumetonide, torasemide.
2. Medium efficacy diuretics (inhibitors of Na^+-cl^- symport) :- Benzothia diazines, Benzthiazide, Nydroflamethiazide, Bendroflumethiazide, metolazone, indopamid, xipamide.

Scanned with OKEN Scanner

3. Osmatic diuretics :- Mannital, Isosorbide, Glycerol.

Anti - diuretics

The substances that reduce urine volume, particularly in diabetes insipidus which is their primary indication.

Drugs :- Anti diuretic homone :- Desmopresin, Lyteressine, Terlipressin, Vaso Pressin.

2. Thiazide diuretics :- Amiloride.

3. Miscellaneous :- Indomethacin, chlorpropamide, carbamazepine.

Litho triptic

A agent that destroys or dissolves the a calculus, Such as kidney stone.
* Only Herbal drugs are available
*** Gall stone dissolving drugs :-** Chenodiol & Urso diol

Hormonal Therapy

Homonal Therapy is the use of hormones in medical treatment.

The most common classes of hormone therapy are oncologic hormone therapy and hormone replacement therapy.

Action :- The hormones act on their specific receptors located on or within their target cells. Receptor activation by the hormones is translated intoresponse in a variety of ways.

Examples of Hormones used for medications :-

Growth hormones :- For Growth

Growth Inhibitors :- Somatostanin, Octreotide, Lanreotide.

Prolactin inhibitors :- Bromocriptine.

Gonadotropins :- FSH+LH = Menotropins, Menotropin (pure FSN), HCG.

Gonadotropins releasing hormone :- Nafarelin, Goserelin, Tripto relin, Leuprolide.

Tyroid Hormones :- Iodine & Iodides.

Scanned with OKEN Scanner

Female & Male Hormones :- Oestrogen, Progesterone, Testosterone.

Insulin for Diabetes Mellitus.

Anti Obesity

The substances that reduce or control weight of body.
Action :- These drugs alter one of the fundamental processes of the human body, weigh regulation by alternating either appetite or absorption of calories. The main treatment modalities for overweight and obese individuals remain dieting and physical exercise ☺ .
1. Drugs :- Orlistate, Rimonabant, Sibutramine, Catecholomines
Note :- Anti depressants & mood stabilizers have been ancedotally used for appetite suppression.

Anti diabetic

Drugs used in diabetes treat diabetes mellitus by lowering glucose level in blood, with the exceptions of insulin, exenatide, liraglutisle and pramlintide all are administered orally and are thus also called oral hypoglycaemic agent or oral hyperglycaemic agents.

1. Diabetes mellitus type I :- Is disease caused by lack of insulin. Insulin most be used in type I. Which must be injected.

2. Diabetes Mellitus Type II :- Is a disease of insulin resistance by cells. Type & diabetes mellitus is the most common type of diabetes.

Drugs :-

Type I - Insulin

Type II - Sensitizers -

(a) Biguonides :- Metformin, Phenoformin, Buformin.

(b) Thiazolixinediones :- Rosiglitazone, Pioglitazone, Trogletazone.

(c) Secretagogues :- Tolbutamide, Tolazamide, Glipizide, Gliclazide.

Non Sulfonylurea :- Meglitinide, repaglinide.

Scanned with OKEN Scanner

α glucosidase inhibitors :- migitol, acarbose, voglibose.

Injectible glucogen like peptide analogues and agonists:- Exenatide, Liraglutide,Taspoglutide.

Duipeptidyl peptidase 4- inhibitors:- Vildagliptin,Saxagliptin,Alogliptin.

Injectible:-Amylin

Antithyroid

The substances used to lower the functional capacity of the hyperactive thyroid harmone.

Thyrotoxicosis is due to excessive secretion of thyroid harmone causes are Grave disease and Toxic nodular goiter.

1. Drugs Inhibit hormone synthesis :- thiourocil, Mehemazole, Carbimazole.

2. Ionic inhibitors :- Thiocynotes, Perchlorates, Nitrates.

3. Inhibit hormone release :- Iodine, Iodic of Na & K, Organic Idodides.

4. Destroy tyroid tissue :- Ratio active Iodine (^{131}I, ^{125}I, ^{123}I).

Oxytocic

Oxytocic drugs are used for several indications in obstetrics & obstetric anaesthesia these include :-

1. The contraction stress test to evaluate fetal well being during the anteportum period.

2. Induction of labour, treatment of labour arrest.

3. Treatment of uterine at any & post partum haemorrhage.

Anaesthesiologist is most likely to give on oxytocic drug for the indication of uterine atony & post partum haemorrhage.

Drugs :- Oxytocin, methylergonruine, Carboprost, Prost aglandin F_2, Prostaglandin E_1, Quinine, Ethacridine.

Scanned with OKEN Scanner

Galactagogues

The food herb or medications that can help to increase breast milk supply. Prolactin is a woman's main breast milk producing hormone, most of the galactagogues work by increasing prolactin levels.
Drug :- Domperiolone, metoclopramide. Note :- Most of the medications are herbal or ayurvedic.

Contraceptives

These are hormonal preparations used for reversible suppression of fertility. Because of our alarming population trends, antifertility drugs are need of the day.

Female Contraceptives

Combined pill - Oestrogen & Progestin 20-30 $\mu g/day$.

Phased pills	**Postcoital Pills**	**Mini pills**	**Injectible**	**Implants**
Oestrogen, norgestrel , levonorgestrel	Levonorgestral	Norethindronem Norgestrel, *Most Marketed in India	Norethindrone, DMPA (Depot medroxyprogesterone acetate)	Norplant (Levonorgestrel), Implanted under skin. *Only used in USA

Male contraceptives :- Antiandrogens, Estrogen & Progestin, Androgen, Cytoxic drugs, Gossypol.

Styptics

The substance having hemostatic effect are known as styptics.
Chemical Action :- Vascular styptics checks seeding by causing the blood vessels to contract.
Mechanical means :- Such as when one applies cotton or bit of paper to a slight razor cut.
Stypics in various forms are used in surgery. These drugs inhibits fibrinolysis or promoting coagulation. Locally acting hemostatic agents work by causing vaso constriction or promoting platelet aggregation.
Styptics :- Styptic pencil (caustic pencil) Anhydrous aluminium sulphate.

Scanned with OKEN Scanner

Anti microbial

Drugs in this class differ from all others in that they are designs to inhibit/kill the infecting organism and to have minimal/no effect on the recipient this type of therapy is generally called chemotherapy. As a class they are one of the most frequently used as well as misused drugs.

CLASSIFICATION

Antimicrobial drugs can be classified in many ways:

A. Chemical structure :- 1. Sulfonamides and related drugs: Sulfadiazine Paraaminosalicylic acid (PAS) .

2. Oiaminopyrimidines: Trimethoprim, Pyrimethamine. **3. Quinalones:** Nalidixic acid, Norfloxacin, Ciprofloxacin, Gatifloxacin, etc. **4**. **β -Lactam antibiotics**: Penicillins, Cephalosporins, Monobactams, Carbapenems. **5. Tetracyclines**: Oxytetracycline, Doxycycline, etc. **6**. **Nitrobenzene derivative**: Chloramphenico: **7. Aminoglycosides:** Streptomycin, Gentamycin, Amikacin, Neomycin, etc. **8. Macrolide antibiotics:** Erythromycin, Clanthromycin, Azithromycin, etc**.** **9**. **Lincosamide antibiotics:** Lincomycin, Clindamycin. **10. Glycopeptide antibiotics:** Vancomycir Teicoplanin. **11. Oxazolidinone:** Linezolid. **12. Polypeptide antibiotics:** Polymyxin-B, Bacitracin, Tyrothricin. **13. Nitrofuran derivatives:** Nitrofurantoin, Furazolidone. **14. Nitroimidazoles:** Metronidazole, Tinidazole etc. **15 . Nicotinic acid derivatives:** Isoniazid, Pyrczinamide, Ethionamide. **16 . Polyene antibiotics.** Nystatin, Amphotericin-B, Hamycin. **17. Azote derivatives:** Miconazole, Ketoconazole, Fluconazole. **18. Others:** Rifampin, Spectinomycin, Cycloserine, Viomycin,

B. Mechanism of action

1. Inhibit cell wall synthesis: Cephalosporins, Cycloserine, Vancomycir, Bacitracin. **2. Cause leakage from cell membranes:** Poh-peptides-Polymyxins, Colistin, Bacitracir, Polyenes-Amphotericin. **3. Inhibit protein synthesis:** Chloramphenicol, Erythromycin, Clindc mycin, Linezolid. **4. Inhibit DNA gyrase:** Fluoroquinolones Ciprofloxacin and others.

Type of organisms against which primarily active

1 . Antibacterial: Penicillins, Aminoglycosides, Erythromycin, etc. **2. Antifungal:** Griseofulvin, Amphotericin B, Ketoconazole, etc. **3. Antiviral**: Acyclovir, Amantadine, Zidovudine, etc. **4. Antiprotozoal:** Chloroquine, Pyrimethamine, Metronidazole, Diloxanide, etc. **5. Anthelmintic:** Mebendazole, Pyrantel, Niclosamide, Diethyl carbamazine.

Scanned with OKEN Scanner

C. Antibiotics are obtained from:

Fungi :- Penicillin, Cephalosporin, Bacteria,

Bacteria :- Polymyxin B, Colistin, Bacitracin

Actinomycetes :- Aminoglycosides, Tetracyclines, Chloramphenicol

Antibiotics

These are the type of antimicrobial used in the treatment and preservation of bacterial infection. They may kill or inhibit the growth of bacterial. *Antibiotics are not effective against viruses such as the common cold or influenza.

Antibiotical drugs - Penicilin, tetracycline, polymyxines, refamyxines, lipiarmyxines, fidaxomicin, Liezolid.

The topical antibiotics :- Erythromycin, Clindamycin, Gentamycin, Melclocycline.

Anti Malarial

The drugs used for prophylaxis, treatment and prevention of relapses of malaria.

1. 4-Aminoquinolines Chloroquine, Amodiaquine, Piperaquine. 2. Quinoline-methanol Mefloquine. 3. Cinchona alkaloid Quinine, Quinidine 4. Biguanides Proguanil (Chloroguanide) Chlorproguanil 5. Diaminopyrimidines Pyrimethamine

6. 8-Aminoquinoline Primaquine, Bulaquine 7. Sulfonamides Sulfadoxine and sulfone, Sulfamethopyrazine Dapsone

8. Antibiotics - Tetracyclines, Doxycyline, Clindamycin. 9. Sesquiterpine lactones - Artesunate, Artemether, Arteether.

Anti malarials that act on erythrocytic shizogony are called **erythrocytic schizontocids**, those that act on preerythrocytic as well as exoerythrocytic (P. vivax) stages in liver are called **tissue schizontocides,** while these which kill gametocytes in blood are called **gametocides.**

Scanned with OKEN Scanner

Treatment of uncomplicated Maleria

A. Vivax malaria

1 . **Chloroquine** 600 mg (10 mg/kg) followed by 300 mg (5 mg/kg) after 8 hours and then for next. 2 days (total 25 mg/kg over 3 days) + **Primaquine** 15 mg (0.25 mg/kg) daily x 14 days In occasional case of chloroquine resistance

2. **Quinine** 600 mg (10 mg/kg) 8 hourly x 7 days + Doxycycline 100 mg daily x 7 days + **Primaquine** (as above)

B. Chloroquine-sensitive falciparum malaria

1 . **Chloroquine** (as above) + **Primaquine** 45 mg (0.75 mg/kg) single dose (as gametocidal) In case of intolerance to chloroquine.

2. **Sulfadoxine** 1500 mg (25 mg/kg) + **Pyrimethamine** 75 mg (1.25 mg/kg) single dose + **Primaquine** 0.75 mg/kg single dose

C. Chloroquine-resistant fa/ciparum malaria

1. ***Artesunate** 100 mg BD (4 mg/kg/day) x 3 days + **Sulfadoxine**' 1500 mg (25 mg/kg) + **Pyrimethamine** 75 mg (1 .25 mg/kg) single dose.

2. **Artesunate** 1 00 m g B D (4 mg/kg/day) x 3 days + **Mefloquine'** 750 mg (15 mg/kg) on 2nd day and 500 mg (10 mg/kg) on 3rd day.

3. **Artemether** 80 mg + **Lumefantrine** 480 mg twice daily x 3 days (child 25-35 kg BW % dose; 15-25 kg BW 1h dose; 5-15 kg BW 'A dose)

4. **Quinine** 600 mg (10 mg/kg) 8 hourly x 7 days + **Doxycycline** 100 mg daily x 7 days.
*First line ACT under NVBDCP

Amoebicidal

These are drugs useful in infection caused by the protozoa. Entamoeba histolytica.
Classification :-

1. Tissue amoebicides

a) For both intestinal and extraintestinal amoebiasis

Scanned with OKEN Scanner

Nitroimidazoles - Metronidazole, Tinidazole, Secnidazloe, Omidazole.

Alkaloids - Emetine, Dehydroemetine.

b) For extraintestinal amoebiasis only : Chloroquine

2. Luminal Amoebicides

a) Amide :- Diloxanide furoate

b) 8-hydroxyquiolines : Quiniodoculor (Iodoculoro-hydroxyquin), Diiodohydroxyquin (Iodoquinol).

c) Antibiotics - Tetracyclines

Antifungal Drugs

These are drugs used for superficial and deep (systemic) fungal infections.

1. Antibiotics :- Amphotericin, Griseofulvin, Benzofuran.

2. Antimetabolite :- Flucytosine (5-FC)

3. Azoles :- Econazole, Miconazole, Itraconazole,Fluconazole,Ketonazole.

4. Allylamine - Terbinafine

5. Other topical agents - Tolnaftate, undecylenic acid, Benzoic acid, Quinio-docerlor.

Anthelmintics

Anthelmintics are drugs that either kill (vermicide) or expel (vermifuge) infesting helminths.

Drugs :- Mebendozole, Albendozole, Thiabendazole, Pyrantel, Pamoate, Piperazine, Diethyl, Carpamazine, Citrate (DEC), Ivermetin, Niclosamide, Praziquantel.

Scanned with OKEN Scanner

Antifilarial

There are destructive to filariae.

Drug :- Diethye carbarmazine, Ivermectin

Antiseptic

The terms antiseptic and disinfectant connote an agent which inhibits or kills microbes on contact. Conventionally, agents used on living surfaces (skin, mouth) are called antiseptics while those used for inanimate objects (instruments, privies, water supply) are called disinfectants. There is considerable overlap and many agents are used in either way.

Antiseptics are chemical agents that slow or stop the growth of micro organisms (germs) on external surfaces of the body and help prevent infections.

1. Phenol derivatives: Phenol, Cresol, Hexylresorcinol, Chloroxylenol, Hexachlorophene. **2. Oxidizing agents:** Pot. permangnate, Hydrogen peroxide, Benzoyl peroxide. **3. Halogens:** Iodine, Iodophores, Chlorine, Chlorophores.

4. Biguanide: Chlorhexidine. **5. Quaternary ammonium (Cationic)**: Cetrimide, Benzalkonium chloride, Dequalinium chloride. **6. Soaps:** of Sod. and Pot. **7. Alcohols:** Ethanol, Isopropanol. **8. Aldehydes:** Formaldehyde, Glutaraldehyde.

9. Acids: Boric acid, Acetic acid. **10. Metallic salts:** Merbromin, Silver nitrate, Silver sulfadiazine, Mild silver protein, Zinc sulfate, Calamine, Zinc oxide. **11. Dyes:** Gentian violet, Acriflavine, Proflavine. **12. Furan derivative:** Nitrofurazone.

Vitamin

Vitamins are non energy fielding organic compounds, essential for normal human metabolism, that must be supplied in small quantities in the diet. The importance of vitamins as drug is primarily in the prevention and treatment of deficiency disease.

Two groups of vitamins :- Fat soluble (A, D, E, K), water soluble (B & C),

Scanned with OKEN Scanner

Vitamin Name	Major Functions	Deficiency Effects	Toxicity Effects	Food Sources
A Retinol, retinal, Retinoic acid, (Beta carotene)	Vision, immunity, reproduction and growth	Blindness, infections, stunted growth	Bone fractures, liver damage, birth defects	Fortified milk, eggs, liver (dark green leafy and yellow/orange vegetables)
D Cholecalciferol	Bone growth and maintenance, absorption of calcium	Rickets, osteomalacia	Calcium imbalance	Sunlight, fortified milk, fatty fish, eggs, liver
E Tocopherol	Antioxidant, protects cell membranes	Red blood cell breakage, nerve damage	Interferes with blood-clotting drugs	Vegetable and seed/ nut oils, seeds and nuts, wheat germ and whole grains
K Phylloquinone	Blood clotting, bone health	Hemorrhage	None reported	Dark leafy greens, cabbage family, liver
B1 Thiamin	Energy metabolism	Beriberi, neurological problems	None reported	Whole and enriched grain products, leafy greens, pork
B2 Riboflavin	Energy metabolism	Inflammation of the mouth, skin	None reported	Whole and enriched grain products, milk products
B3 Niacin	Energy metabolism	Pellagra	Niacin flush, liver damage, impaired glucose tolerance	Whole and enriched grain products, protein-rich foods
B5 Pantothenic acid	Protein, fat and carbohydrate metabolism	Extremely rare	Mild intestinal distress	Almost all foods, especially avocadoes, broccoli, meats
B6 Pyridoxine, pyridoxal, pyridoxamine	Protein and fat metabolism	Scaly dermatitis, anemia, convulsions	Nerve degeneration	Protein-rich foods
B7 Biotin	Protein, fat and carbohydrate metabolism; beneficial to hair, skin and nails	Extremely rare	Unlikely	Egg yolk, liver, peanuts; also produced by gut bacteria
B9 Folate, folic acid, folacin	Helps make DNA for new cells, activates B12	Anemia, birth defects	Masks a B12 deficiency	Fortified grain products, vegetables, legumes
B12 Cobalamin	Helps make DNA for new cells, activates folate, protects nerve cells	Anemia, irreversible nerve damage and paralysis	None reported	Meat, fish, poultry, eggs, milk products
C Ascorbic acid	Antioxidant, collagen synthesis, immune function	Scurvy	Diarrhea	Fruits and vegetables

Minerals

Dietary elements also known as dietary minerals are chemical elements required by living organism other than four elements carbon, hydrogen, nitrogen & oxygen, present in common organic molecules.

Chemical elements in order of abundance in the human body include the seven major dietary elements calcium, phosphorus, potassium, sulfur, sodium, chlorine, andmagnesium. Important "trace" or minor dietary elements, necessary for mammalian life, include iron, cobalt, copper, zinc, manganese, molybdenum, iodine, bromine, andselenium.

Water imbalance & IV Fluids

Intra venous fluids (IV) are influid to maintain water balance, replace fluid losses, and treat electrolyte imbalance. They are commonly available in volumes raring from 25ml. to 1000 ml. & are dispended in plastic bags or glass bottles.

Scanned with OKEN Scanner

Common IV solutions and names

	Isotonic	Hypotonic	Hypertonic
Dextrose in water	5% dextrose in water *also called:* D5W		10% dextrose in water *also called:* D10W
Saline	0.9% sodium chloride *also called:* 0.9% NaCl 0.9%NS (normal saline)	0.45% sodium chloride *also called:* 0.45% NaCl 0.45% NS (half normal saline) 0.33% sodium chloride *also called:* 0.33% NaCl 0.33% NS (one third normal saline)	3%-5% sodium chloride *also called:* 3%-5% NaCl 3%-5% NS
Dextrose in saline	5% dextrose in 0.225% sodium chloride *also called:* D5 one-quarter normal saline D5 0.225% NaCl D5 0.225% NS		5% dextrose in 0.9% sodium chloride *also called:* D5 normal saline D5 0.9% NaCl D5 0.9% NS 5% dextrose in 0.45% sodium chloride *also called:* D5 one half normal saline D5 0.45% NaCl D5 0.45% NS
Electrolyte solutions	Lactated Ringer's *also called:* LR		5% dextrose in lactated Ringer's *also called:* D5LR

Vaccines

Vaccines are antigenic materials consisting of the whole micro organism or one of its products.

Vaccines are of 3 types :- 1. Killed (Inactivated) vaccines, 2. Live attenuated vaccines, 3. Toxoids.

1. Consist of micro killed by heater chemicals, 2. Consist of live bacteria or viruses., 3. Are modified bacterial exotoxins so that toxicity is lost but antigenicity is retained.

Scanned with OKEN Scanner

Killed (inactivated) vaccines	Live attenuated vaccines
BACTERIAL	
Typhoid-paratyphoid (TAB)	Bacillus Calmette-Guérin (BCG)
Vi Typhoid polysaccharide	Typhoid-Ty 21a
Cholera	
Whooping cough (Pertussis)	
Meningococcal	
Haemophilus influenzae type b	
Plague	
VIRAL	
Poliomyelitis inactivated (IPV, Salk)	Poliomyelitis oral live (OPV, Sabin)
Rabies (Neural tissue)	Mumps (live attenuated)
Rabies (Chick embryo cell, PCEV)	Measles (live attenuated)
Rabies (Human diploid cell, HDCV)	Rubella (live attenuated)
Rabies (Vero cell, PVRV)	Varicella (live attenuated)
Influenza	
Hepatitis B	
Hepatitis A	
TOXOIDS	
Tetanus (fluid/adsorbed)	
Diphtheria (adsorbed)	
COMBINED VACCINES	
Double antigen (DT-DA)	
Triple antigen (DPT)	
Measles, mumps, rubella (MMR)	

Antivenom

Antivenom is a biological product used in the treatment of venomous bites or stings antivenom is created by milking venom from a relvant snake, spider, insect or fish. The venom is then diluted so injected into a horse, sheep, rabbit or goat. The subject animal will immune response to the venom, producing antibodies against the venom's active molecules which can then be harvested from the animals blood and used to treat envenomation.

eg. of antivenoms :-

Spiders :- Wedspider antivenom (Australia), **Acarids :-** Tick antivenom (Australia), **Insects :-** Zoro antilonomico (Brazil)

Scorpions :- Anti scorpion (India), **Snakes :-** Polyvalent snake (India)

Scanned with OKEN Scanner

Drugs for ophthalmic Practice

The drugs used for treatment of eye conditions and eye diseases are called opthamology drugs.

eg. :- Eye infection :- Fusidic acid, of laxacin, fluconazole, Natamycin, Fromycetin, Tetrocycline.

Eye inflammation :- Prednisolone optholmic, flurometholone, betamethasonal.

Eye suelling :- Loteprednol.

Glaucoma :- Lataroprost, Acetazslanide, Brimonixine, Levobrnolol, Dipivefrin, Opthalmic

Suelling, itching redness & Irritations, Dexamethasone opthalimic.

Anti cancer drugs

The drugs either kill cancer cells or modify their growth however selectively of majority of drugs is limited & they are one of the most toxic drugs used in therapy.

Anti cancer drug classification.

1. Alkylating agents :- Nitrogen mustards, Mechlorethamine, Ifosfamide, Chlorambucil, Melphalan. **2. Antimetabolites :-** Methotrexate (Mtx), 6-Mercaptopurine (6-MP), 6-Thioguanine (6-TG), Azathioprine, Fludarabine, Cytarabine. **3. Vinca alkaloids :-** Vincristine (Oncovin), Vinblastine. **4. Antibiotics :-** Actinomycin D (Dactinomycin), Doxorubicin, Daunorubicin. **5. Miscellaneous :-** Hydroxyurea, Procarbazine, L-Asparaginase, Cisplatin, Carboplatin, Imatinib. **6. Aromatase :-** Letrozole, inhibitors Anastrozole, Exemestane **7. Antiandrogen :-** Flutamide, Bicalutamide **8. 5-a reductase inhibitor :-** Finasteride, Dutasteride **9. GnRH analogues :-** Nafarelin, Triptorelin **10. Progestins :-** Hydroxyprogesterone acetate, etc.

Immuno modulators

These are the medications used to help regulate or normalize the immune system.

An immune modulator is a substance that either suppresses or activates the body immune response.

Scanned with OKEN Scanner

Immune suppressants :- cyclosporine, methotrexate, sirolimus, chloram bucil, everolimus, tacrolimus.

Immune activators :- Antigen, Deoxycholic acid, macrokine, imiquimod, resiquimod etc.

Anti Rabies

The substance that cures rabies disease are called anti rabies.

Rabies is a viral disease that causes acute inflammation of the brain in humans and other warm-blooded animals.

Drugs eg.- Immune globin, Favirab, imorab, pars, Pasteur rabies serum, rab globe Vaccination,

Anti-Viral

The drugs or other compound used to cure viral diseases like Herpes, AIDS,Hepatitis B,etc. & other viral diseases.
Drug examples:- A cyclovir,Famciclavir,Ribavirin,Zidovudine,Lamivudine,Stavudine,Indinavir,Nevirapine.

Anti-Histamines

The drugs or other compounds that inhibits the Physiological effect of Histamine,used espicially in the treatment of allergies.

Action- They inhibits the action of histamine in the body by blocking the receptors of hitamine.Two types of hitamine receptors H1 & H2.
Drugs :- Cetreizine, Azatidine,Clemastine,Pheniramine maleate,Chlorpheniramine maleate,Loratidine,Ebastine,Azelastine,Rupatadine,Levocetrizine.

Scanned with OKEN Scanner